करेंट अफेयर्स

मध्य प्रदेश

(संग्रह)

नवम्बर

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश 4

- मध्य प्रदेश बना एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर पर्यटन सेवाएँ शुरू करने वाला पहला राज्य 4
- मध्य प्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 4
- नौरादेही अभयारण्य चीतों का तीसरा आवास 5
- मध्य प्रदेश को BRAP 2024 में शीर्ष उपलब्धि प्राप्त 7
- BSF ने दुर्गा ड्रोन स्क्वाड्रन लॉन्च किया 7
- पन्ना हीरों को GI टैग मिला 8
- भारत का पहला निजी रेलवे स्टेशन 9
- जनजातीय पर्यटन परियोजना 10
- विषाणु संक्रमण प्रतिरोध अभ्यास 11
- सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व में देनवा नदी 12
- पात्रा नदी 13
- भोपाल में क्रेता संवाद 15

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स 16

- राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य पालन गणना 2025 प्रारंभ 16
- LVM3-M5 प्रक्षेपण: ISRO ने भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह 'GSAT-7R' का सफल प्रक्षेपण किया 17
- त्रि-सेवा सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल 2025' 18
- पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (IDEI) 2025 19
- भारतीय महिला टीम ने क्रिकेट विश्व कप 2025 जीता 20
- क्यूएस रैंकिंग एशिया 2026 में 137 भारतीय संस्थान 21
- अमूल विश्व की शीर्ष सहकारी समितियों में प्रथम 22
- गुरु नानक देव जयंती 23
- मालदीव ने विश्व में पहली बार पीढ़ीगत धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया 24

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फेरारी रेस करने वाली पहली भारतीय महिला ... 25
- भारतीय नौसेना द्वारा 'इक्षक' नौसेना में शामिल ... 25
- राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष ... 26
- विशेष अभियान 5.0 ... 27
- राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 2025 ... 27
- गूगल का प्रोजेक्ट सनकैचर ... 28
- उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2025 ... 29
- खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA) रिपोर्ट 2025 ... 30
- मालाबार अभ्यास 2025 ... 31
- राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस 2025 ... 32
- राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2025 ... 33
- भारत की पहली MWh-स्केल वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB) ... 34
- बुकर पुरस्कार 2025 ... 34
- अमोनियम नाइट्रेट ... 35
- गरुड़ अभ्यास 2025 ... 36
- अजय वारियर-25 अभ्यास ... 37
- विश्व मत्स्य दिवस 2025 ... 38
- गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस ... 39
- हायली गुब्बी ज्वालामुखी ... 41
- नई चेतना 4.0 अभियान ... 42
- भारत में राष्ट्रमंडल खेल 2030 का आयोजन ... 43
- राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2025 ... 44
- भारत उष्ण कटिबंधीय वन निधि में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल ... 45

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश बना एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर पर्यटन सेवाएँ शुरू करने वाला पहला राज्य

चर्चा में क्यों?

राज्य के **70वें स्थापना दिवस (1 नवंबर, 2025)** के अवसर पर मुख्यमंत्री **डॉ. मोहन यादव** ने **राजा भोज हवाई अड्डा, भोपाल** से ***'पीएम श्री एरियल टूरिज़्म हेलीकॉप्टर सेवा'*** का शुभारंभ किया। इस पहल के साथ, **मध्य प्रदेश** देश का पहला राज्य बन गया है जिसने अपने **राज्यांतर्गत हवाई संपर्क (Intra-State Air Connectivity)** कार्यक्रम के तहत **एयर एंबुलेंस** और **हेलीकॉप्टर पर्यटन सेवाएँ** दोनों शुरू की हैं।

मुख्य बिंदु

- इस पहल का उद्देश्य मध्य प्रदेश में हवाई यात्रा को केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि **आस्था, आध्यात्मिकता, पर्यटन और सुविधा** को एक साथ जोड़ने वाला एक **अनुभवात्मक सफर** बनाना है। यह राज्य के भीतर **हवाई संपर्क (Intra-State Connectivity)** को सुदृढ़ करने, **पर्यटन को बढ़ावा देने**, तथा **ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थानीय रोज़गार और उद्यमिता** को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य रखती है।
- यह सेवा प्रारंभिक चरण में **तीन प्रमुख पर्यटन मार्गों** पर संचालित होगी:
  - **इंदौर–उज्जैन–ओंकारेश्वर** (आध्यात्मिक परिपथ)
  - **भोपाल–मड़ई–पचमढ़ी** (प्रकृति एवं विरासत परिपथ)
  - **जबलपुर–बांधवगढ़–कान्हा** (वन्यजीव एवं पारिस्थितिक पर्यटन परिपथ)
- **पर्यटन और आर्थिक प्रभाव:**
  - यह सेवा यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी लाएगी- उदाहरण के लिये, **भोपाल से पचमढ़ी की 5.5 घंटे की सड़क यात्रा अब केवल 45–50 मिनट** में पूरी होगी।
  - इस पहल का लक्ष्य **2030 तक पर्यटकों की संख्या को दोगुना** करना और **पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को ₹50,000 करोड़** तक विस्तारित करना है।

मध्य प्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 का आयोजन 13 नवंबर, 2025 को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा।

- पहला संस्करण, टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 1.0 (अप्रैल 2025), एक बड़ी सफलता थी, जिसमें **20,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए** और **75,000 से अधिक रोज़गार सृजित किये।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **आयोजन के बारे में:**
  - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में **मध्य प्रदेश की तकनीकी और औद्योगिक प्रगति के अगले चरण** के लिये **रोडमैप** तैयार किया जाएगा।
- **उद्देश्य:**
  - मध्य प्रदेश को **वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र** के रूप में स्थापित करना।
  - राज्य के **"टेक्नोलॉजी-फर्स्ट इकोनॉमी विज़न"** का अनावरण करना, जो नवाचार, कौशल और उद्यमशीलता के माध्यम से समावेशी आर्थिक विकास पर केंद्रित है।
  - इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे **टियर-2 शहरों** की **प्रौद्योगिकी, नवाचार** तथा **उद्यमिता** में भूमिका पर प्रकाश डालना।
  - **निवेश, नवाचार और सहयोग** के माध्यम से राज्य के **तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र** में गति लाना।
  - **वैश्विक निवेशकों, उद्योग जगत के नेताओं और नीति निर्माताओं** को सहयोग एवं विकास बढ़ाने के लिये एक मंच प्रदान करना।
- **कार्यक्रम का विषय:**
  - "टियर-2 को सशक्त बनाना, भारत को आगे बढ़ाना"
- **सत्र (Sessions):**
  - **MP GCC लीडरशिप कनेक्ट:** इस सत्र में **30 से अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs)** भाग लेंगे। इसका उद्देश्य मध्य प्रदेश को GCCs के लिये **पसंदीदा गंतव्य** के रूप में स्थापित करना है। इस दौरान राज्य की **दीर्घकालिक प्रौद्योगिकी रणनीति हेतु दृष्टि-पत्र (Vision Document)** भी प्रस्तुत किया जाएगा।
  - **ड्रोन गोलमेज़ सम्मेलन:** नीति-निर्माताओं, उद्योग विशेषज्ञों और ड्रोन नव-प्रवर्तकों के साथ यह सत्र **ड्रोन पारितंत्र के विस्तार, निर्माण के अवसरों** तथा **सरकारी सेवाओं एवं उद्योगों में ड्रोन तकनीक के उपयोग** पर केंद्रित होगा।
  - **नीति घोषणाएँ:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग **नई डिजिटल नीतियाँ और पहलें** घोषित करेगा, जिनका उद्देश्य **नवाचार को बढ़ावा देना, कौशल विकास करना, निवेश आकर्षित करना** तथा **मध्य प्रदेश के प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में** सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) को सशक्त करना होगा।

नौरादेही अभयारण्य चीतों का तीसरा आवास

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश में नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य को कुनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर के बाद भारत के तीसरे चीता आवास के रूप में विकसित किया जा रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **नौरादेही अभयारण्य:**
  - **यह सागर, दमोह और नरसिंहपुर** ज़िलों में स्थित है।
  - यह **ऊपरी विंध्य पर्वतमाला** में स्थित है और गंगा तथा नर्मदा **नदी घाटियों** को जोड़ता है।
  - **यह पन्ना और सतपुड़ा** के बीच **जैविक गलियारे** के रूप में कार्य करता है तथा अप्रत्यक्ष रूप से **बांधवगढ़** एवं **रानी दुर्गावती वन्यजीव अभयारण्य** से जुड़ता है
- **प्रोजेक्ट चीता:**
  - **परिचय:**
    - भारत में चीतों को फिर से लाने के लिये **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** (MoEFCC) के तहत राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा वर्ष 2020 में प्रोजेक्ट चीता शुरू किया गया था।
    - इस कार्यक्रम का उद्देश्य **विलुप्त प्रजाति** (Acinonyx jubatus) को पुनर्स्थापित करना और भारत के **घास के मैदानों के पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित** करना है।
  - **प्रमुख विशेषताएँ:**
    - अंतर-सरकारी समझौता ज्ञापनों के तहत, **नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका** से चीते लाए गए।
    - **कुनो राष्ट्रीय उद्यान** (2022) पहला पुनरुत्पादन आवास बना, उसके बाद **गांधी सागर अभयारण्य** (2024) स्थापित किया गया।
    - NTCA और भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII), **देहरादून** द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित।
    - कैम्पा **और केंद्र सरकार के आवंटन** के माध्यम से वित्त पोषित।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मध्य प्रदेश को BRAP 2024 में शीर्ष उपलब्धि प्राप्त

चर्चा में क्यों ?

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्द्धन तथा आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) द्वारा जारी **व्यापार सुधार कार्य योजना (BRAP) 2024** के तहत **मध्य प्रदेश** को **शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य** घोषित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **व्यापार सुधार कार्य योजना (BRAP) के बारे में:**
  - BRAP **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय** के अंतर्गत आने वाले **उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT)** की एक महत्त्वपूर्ण पहल है।
  - इसका प्रमुख उद्देश्य **राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा किये गए सुधारों का मूल्यांकन तथा प्रोत्साहन** करना है, ताकि **व्यापार करना अधिक सरल, तीव्र एवं पारदर्शी** बनाया जा सके।
  - इस ढाँचे में **व्यवसाय प्रवेश**, **भूमि आवंटन**, **श्रम विनियमन**, **पर्यावरण स्वीकृति** और **सेवा वितरण** जैसे प्रमुख क्षेत्रों में **300 से अधिक सुधार बिंदु** शामिल किये गए हैं।
  - सुधारों के क्रियान्वयन के आधार पर, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को चार श्रेणियों—**शीर्ष उपलब्धि प्राप्त करने वाले**, **सफल**, **महत्त्वाकांक्षी** तथा **उभरते व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र** में वर्गीकृत किया जाता है।
  - इस योजना का व्यापक उद्देश्य **प्रतिस्पर्द्धी संघवाद** को प्रोत्साहित करना, **समकक्ष अधिगम** को बढ़ावा देना तथा **भारत के निवेश और कारोबारी वातावरण** को सुदृढ़ बनाना है।
- **राज्य के प्रदर्शन की मुख्य बातें:**
  - मध्य प्रदेश ने **चार प्रमुख सुधार क्षेत्रों व्यापार प्रवेश**, **श्रम विनियमन समर्थक वातावरण**, **भूमि प्रशासन** और **सेवा क्षेत्र सुधार** में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए **शीर्ष उपलब्धि प्राप्त करने वाले राज्य** का स्थान प्राप्त किया है।
  - राज्य ने **भोपाल में** वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन जैसे प्रमुख उद्योग संवर्द्धन आयोजनों की सफल मेज़बानी की, जिसने **घरेलू व वैश्विक निवेश आकर्षित करने** की उसकी प्रतिबद्धता को उजागर किया।
  - साथ ही राज्य सरकार ने औद्योगिक प्रतिस्पर्द्धा और **रोज़गार सृजन** को सशक्त करने के लिये "व्यापार सुगमता" की अवधारणा को "**व्यापार करने की गति, स्तर तथा कौशल**" में रूपांतरित करने पर विशेष ज़ोर दिया है।

BSF ने दुर्गा ड्रोन स्क्वाड्रन लॉन्च किया

चर्चा में क्यों ?

सीमा सुरक्षा बल (BSF) ने अपनी **पहली महिला ड्रोन संचालन इकाई**, 'दुर्गा ड्रोन स्क्वाड्रन', की स्थापना की।

- यह प्रयास **BSF तथा अन्य सुरक्षा बलों में** महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक **महत्त्वपूर्ण उपलब्धि** है।

मुख्य बिंदु

- **स्क्वाड्रन के बारे में:**
  - यह अग्रणी पहल **महिला शक्ति** को **उन्नत प्रौद्योगिकी** से जोड़ती है, जिसका लक्ष्य भारत के **पश्चिमी और पूर्वी दोनों सीमाओं** पर सुरक्षा अभियानों को सशक्त बनाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **स्थल:**
  - यह प्रशिक्षण **ग्वालियर** में BSF अकादमी के **स्कूल ऑफ ड्रोन वारफेयर (SDW)** में आयोजित किया जाता है, जो BSF के भीतर ड्रोन प्रौद्योगिकी **प्रशिक्षण** का प्रमुख संस्थान है।
- **प्रशिक्षण कार्यक्रम**
  - स्क्वाड्रन को **हवाई निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाना, अवलोकन** और **ड्रोन विरोधी अभियानों** में उन्नत प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
  - इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षु निम्नलिखित क्षेत्रों में भी दक्षता प्राप्त कर रही हैं:
    - **खोज और बचाव अभियानों** का संचालन।
    - **सीमा पार ड्रोन खतरों** का सामना करने हेतु इलेक्ट्रॉनिक डिटेक्शन और न्यूट्रलाइज़ेशन सिस्टम का उपयोग।
- **स्क्वाड्रन के लक्ष्य:**
  - इस स्क्वाड्रन का **उद्देश्य तकनीकी रूप से उन्नत और सीमा सुरक्षा संरचना को मज़बूत करना तथा समग्र प्रभावशीलता को बढ़ाना** है।
  - महिला कर्मी **भारत की सीमाओं पर निगरानी कवरेज** को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ करेंगी, **वास्तविक समय में खुफिया जानकारी संग्रहण** की क्षमता में सुधार लाएंगी और **घुसपैठ विरोधी तथा** आपदा प्रतिक्रिया अभियानों में निर्णायक भूमिका निभाएंगी।

सीमा सुरक्षा बल (BSF)

- BSF की स्थापना वर्ष **1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध** के बाद की गई थी।
- यह **गृह मंत्रालय (MHA)** के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत भारत संघ के **सात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों** में से एक है।
  - अन्य **केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल हैं: असम राइफल्स (AR), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) और सशस्त्र सीमा बल (SSB)**
- 2.65 लाख पुलिस कर्मी पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर तैनात हैं।
- इसे भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा, भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा, **नियंत्रण रेखा (LoC)** पर भारतीय सेना के साथ तथा **नक्सल विरोधी अभियानों** में तैनात किया जाता है।

पन्ना हीरों को GI टैग मिला

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के पन्ना ज़िले **में खनन किये गए हीरों** को आधिकारिक रूप से भौगोलिक संकेतक (GI) टैग प्रदान किया गया है, जिससे उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक बाज़ारों में एक मान्यता प्राप्त पहचान तथा प्रीमियम मूल्य प्राप्त हुआ है।

मुख्य बिंदु

- **पन्ना हीरों के बारे में:**
  - पन्ना भारत का **एकमात्र हीरा-उत्पादक ज़िला** है और इस टैग के अंतर्गत इन हीरों को 14-प्राकृतिक वस्तुओं की श्रेणी में "**पन्ना डायमंड**" के रूप में विपणन किया जाएगा।
    - राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC) द्वारा संचालित पन्ना स्थित मझगवाँ खान भारत में वर्तमान में संचालित **एकमात्र संगठित तथा मशीनीकृत हीरा खान है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- पन्ना में हीरा खनन की प्रक्रिया में **छोटे पट्टे (आमतौर पर 8 × 8 मीटर) दिये जाते हैं**, जहाँ **मिट्टी की खुदाई, छनाई, धुलाई तथा पृथक्करण** किया जाता है।
- वहाँ मिलने वाले हीरे ज़िला हीरा कार्यालय में जमा किये जाते हैं, जहाँ उनकी त्रैमासिक नीलामी होती है।
- पन्ना हीरों के GI टैग प्राप्त करने के साथ, **मध्य प्रदेश के GI टैग वाले उत्पादों की कुल संख्या 21 हो गई है,** जिनमें **चंदेरी साड़ी, रतलामी सेव, गोंड पेंटिंग** आदि शामिल हैं।

भौगोलिक संकेतक (GI) टैग के बारे में:

- वस्तुओं का भौगोलिक सूचक' (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 GI टैग को नियंत्रित करने वाला भारतीय कानून है; जो 15 सितंबर, 2003 को लागू हुआ था।
- GI टैग यह प्रमाणित करता है कि कोई **वस्तु किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न होती है** तथा **उसकी गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्यतः** उसी स्थान से संबंधित है।
- केवल उस क्षेत्र के **अधिकृत उपयोगकर्त्ता ही** पंजीकृत GI नाम का उपयोग कर सकते हैं। यह उत्पाद को **अंतर्राष्ट्रीय दुरुपयोग और नकली विकल्पों से बचाने में मदद करता है।**

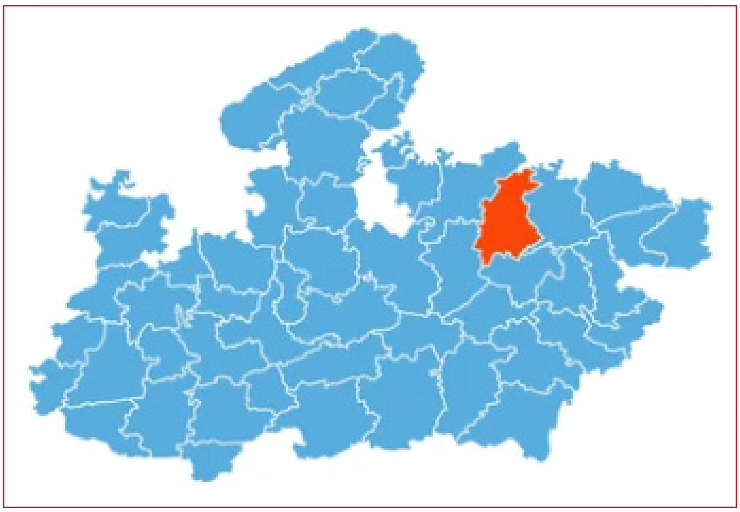

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC):

- NMDC भारत का सबसे बड़ा लौह-अयस्क उत्पादक तथा इस्पात मंत्रालय के अधीन एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जिसकी स्थापना वर्ष 1958 में हुई थी।
- यह **लौह-अयस्क, हीरे, ताँबा,** चूना-पत्थर तथा डोलोमाइट सहित विभिन्न खनिजों के अन्वेषण, निष्कर्षण तथा उत्पादन में संलग्न है।

भारत का पहला निजी रेलवे स्टेशन

चर्चा में क्यों?

भोपाल का **रानी कमलापति रेलवे स्टेशन** भारत का पहला ऐसा स्टेशन बन गया है, जिसे **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल** के तहत पुनर्विकसित कर संचालित किया जा रहा है, जो शहर के द्वितीयक पारगमन केंद्र के रूप में कार्य करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पश्चिम मध्य रेलवे ज़ोन** में स्थित इस स्टेशन का **नाम वर्ष 2021 में** गोंड **रानी कमलापति के नाम पर रखा गया,** इससे पहले इसका नाम **हबीबगंज** था।

मुख्य बिंदु

- स्टेशन का पुनर्विकास लगभग **450 करोड़** रुपये की लागत से **IRSDC और बंसल ग्रुप** के बीच PPP मॉडल के तहत किया गया।
- इसमें **एयरपोर्ट जैसी सुविधाएँ** उपलब्ध हैं जैसे पूरी तरह एयर-कंडीशन्ड कंकोर्स, हाई-स्पीड एस्केलेटर, ट्रैवेलैटर, प्रीमियम प्रतीक्षालय, फ़ूड कोर्ट और मल्टी-लेवल पार्किंग।
- **इसका स्वामित्व भारतीय रेलवे के पास** है, जबकि संचालन, रखरखाव और वाणिज्यिक प्रबंधन निजी संविदाकार द्वारा किया जाता है।
- इसमें **सौर ऊर्जा प्रणाली, ऊर्जा-कुशल लाइटिंग** और **विकलांग यात्रियों के लिये बाधा-मुक्त सुविधाएँ** शामिल हैं।
- यह स्टेशन **भोपाल की एक प्रमुख पारगमन केंद्र के रूप में भूमिका** को सुदृढ़ करता है और इसे **राष्ट्रीय स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम** के तहत **भविष्य के स्टेशन पुनर्विकास के लिये एक मॉडल माना जाता है।**

भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम (IRSDC)

- यह **रेल मंत्रालय की एक विशेष प्रयोजन इकाई (SPV)** है, जिसे नए स्टेशनों के निर्माण और कार्यरत रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के लिये बनाया गया है।
- यह **भारतीय रेलवे निर्माण कंपनी लिमिटेड (IRCON)** और **रेल भूमि विकास प्राधिकरण (RLDA)** के बीच एक संयुक्त उद्यम है।
- IRSDC को **कंपनी अधिनियम, 1956** के अंतर्गत 12 अप्रैल, 2012 को स्थापित किया गया था।
- इसका मुख्य उद्देश्य ऐसे विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशनों का निर्माण करना है, जो अत्याधुनिक तथा सतत् प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं।
- पुनर्विकास कार्य को **PPP मॉडल** (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) के तहत संचालित किया जाता है।

जनजातीय पर्यटन परियोजना

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की प्रमुख **जनजातीय पर्यटन परियोजना को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान** के तहत केंद्रीय स्वीकृति मिल गई है।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - इस परियोजना के अंतर्गत अनूपपुर, मंडला और **डिंडोरी ज़िलों में नर्मदा** परिक्रमा मार्ग पर स्थित 14 गाँवों में **86 जनजातीय आवास स्थापित किये जाएंगे।**
  - इसकी **कुल अनुमानित लागत 10.5 करोड़ रुपये** है, जिसका वित्तपोषण पर्यटन मंत्रालय तथा राज्य पर्यटन बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।
  - इससे 400 से अधिक **जनजातीय परिवारों को** प्रत्यक्ष आय प्राप्त होने की संभावना है, साथ ही हस्तशिल्प, परिवहन और स्थानीय खाद्य उत्पादों में अतिरिक्त आजीविका के अवसर भी सृजित होंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इसका उद्देश्य **उत्तरदायी जनजातीय पर्यटन को** प्रोत्साहित करना, स्थानीय संस्कृति **को संरक्षित करना** और दूरस्थ गाँवों को मुख्यधारा के पर्यटन सर्किट में एकीकृत करना है।
- **धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान:**
  - यह जनजातीय कार्य मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है, **जो जनजातीय बहुल** गाँवों में विकास परिणामों में सुधार लाने पर केंद्रित है।
  - यह योजना आजीविका संवर्द्धन, आधारभूत सुविधाओं, सामाजिक सेवाओं तथा ग्रामीण उद्यम विकास जैसे क्षेत्रों में बहु-मंत्रालयी समन्वय के माध्यम से कार्य करती है।
  - परियोजना के अंतर्गत **पर्यटन आधारित आय-सृजन**, विशेषकर समुदाय-आधारित आवासों का विकास, आजीविका और आर्थिक सशक्तीकरण घटक का एक केंद्रीय तत्त्व है।

विषाणु संक्रमण प्रतिरोध अभ्यास

चर्चा में क्यों ?

भारत में जूनोटिक रोगों के प्रकोप के लिये तैयारियों का मूल्यांकन करने हेतु 2 से 5 नवंबर, 2025 तक **मध्य प्रदेश** के **खंडवा ज़िले** में **विषाणु संरक्षण प्रतिरोध अभ्यास** नामक बहु-क्षेत्रीय मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **मॉक अभ्यास के बारे में:**
  - इस सांकेतिक अभ्यास में **मानव** और **पशु** दोनों में **क्रीमियन-कांगो हेमोरेजिक फीवर (CCHF)** के प्रकोप पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें **वास्तविक समय में जाँच**, **रोगजनक का पता लगाने**, **रोकथाम** तथा **अंतर-एजेंसी समन्वय** का परीक्षण किया गया।
  - प्रमुख हितधारकों में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR), **उच्च सुरक्षा पशु रोग प्रयोगशाला (HSADL) भोपाल, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC)**, पशुपालन तथा डेयरी विभाग (DAHD) आदि शामिल थे।
  - यह अभ्यास भारत के वन हेल्थ दृष्टिकोण (One Health approach) को सुदृढ़ करता है, जो **मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य** और **पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य** के बीच संबंधों पर ज़ोर देता है तथा एकीकृत **रोग नियंत्रण** एवं **महामारी-तैयारी क्षमता** को बढ़ाता है।
- **क्रिमियन-कांगो हेमोरेजिक फीवर (CCHF):**
  - CCHF एक **वायरल जूनोटिक रोग** है, जो **क्रिमियन-कांगो हेमोरेजिक फीवर वायरस (CCHFV)** के कारण होता है। यह **बुन्याविरिडे परिवार** का एक **नैरोवायरस** है।
    - यह मुख्यत: **हायलोमा कीट**, संक्रमित पशुओं (भेड़, बकरी, गाय) के संपर्क या संक्रमित मानव के **रक्त/ऊतक** के संपर्क में आने से फैलता है।
  - CCHF **अफ्रीका, मध्य पूर्व, मध्य एशिया, पूर्वी यूरोप और** दक्षिण एशिया में स्थायी रूप से फैला हुआ है तथा भारत में गुजरात एवं राजस्थान में **स्थानीय प्रकोप** देखने को मिलता है। यह प्रकोप अक्सर **पशु परिवहन और मौसमी कीट गतिविधि** से संबंधित होते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **इसकी सक्रियावस्था (इन्क्यूबेशन)** 1–13 दिन की होती है। गंभीर मामलों में **तेज़ बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, यकृत संबंधी लक्षण और रक्तस्राव** दिखाई देते हैं।
- **मृत्यु दर 10-40%** तक होती है, जिससे यह **सबसे खतरनाक वायरल हेमोरेजिक बुखार** में शामिल है और **सख्त संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकॉल** की आवश्यकता होती है।
- मानव के लिये इसका कोई **स्वीकृत टीका नहीं** है। उपचार में **प्रारंभिक पहचान, सहायक देखभाल और बैरियर नर्सिंग** शामिल है तथा कभी-कभी **रिबाविरिन** का उपयोग किया जाता है, हालाँकि इसके लाभ के प्रमाण अलग-अलग होते हैं।

सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व में देनवा नदी

चर्चा में क्यों?

वन-अधिकारियों ने मध्य प्रदेश के **सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व (STR)** में **देनवा नदी** में तैरती हुई एक **बाघिन** का **दुर्लभ दृश्य** देखा, जो रिज़र्व में **बाघों की बढ़ती गतिविधि** तथा **स्वस्थ नदी-आवासों** को रेखांकित करता है।

मुख्य बिंदु

- **देनवा नदी के बारे में:**
  - **देनवा नदी** सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व की **जीवन-रेखा** है और इसका उद्गम **सतपुड़ा रेंज** में **महादेव पहाड़ियों** की दक्षिणी ढलानों से होता है।
  - यह नदी उत्तर की ओर बहती हुई **तवा नदी** में मिल जाती है, जिससे रिज़र्व के अंदर व्यापक **आर्द्रभूमि** का निर्माण होता है, जो समृद्ध **जलीय** तथा **स्थलीय जैवविविधता** का समर्थन करती है।
  - नदी प्राकृतिक **अवरोध**, **नदी-द्वीप** और **घास के मैदान** बनाती है, जो **बाघों**, **भालू**, **हिरण प्रजातियों** तथा **पक्षियों** के लिये महत्त्वपूर्ण **वन्यजीव गलियारे** के रूप में कार्य करते हैं।
- **सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व के बारे में:**
  - यह रिज़र्व होशंगाबाद (नर्मदापुरम) ज़िले में स्थित है और **सतपुड़ा-मैकाल पर्वत श्रेणी** का हिस्सा है।
  - इसमें **सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान**, **पचमढ़ी वन्यजीव अभयारण्य** और **बोरी वन्यजीव अभयारण्य** शामिल हैं, जो इसे भारत के **सबसे प्राचीन वन अभ्यारण्यों** में से एक बनाते हैं।
  - **पचमढ़ी बायोस्फीयर रिज़र्व** (जिसमें STR भी शामिल है) मध्य प्रदेश का पहला **बायोस्फीयर रिज़र्व** था (वर्ष 1999 में घोषित) और बाद में इसे **यूनेस्को** द्वारा मान्यता दी गई।
  - इस भूभाग में **बलुआ पत्थर की चोटियाँ, गहरी घाटियाँ, खड्ड, नदियाँ** और **घने साल-सागौन के जंगल** हैं, जो **बाघों** के लिये आदर्श आवास प्रदान करते हैं।
  - यह क्षेत्र **बाघों, तेंदुओं, भालू**, **भारतीय बाइसन (गौर)**, **जंगली कुत्ते (ढोल)** और समृद्ध **पक्षी विविधता** के उच्च घनत्व के लिये जाना जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

पात्रा नदी

चर्चा में क्यों ?

पत्रा नदी, जो कभी राजा भोज से जुड़ी एक **महत्त्वपूर्ण ताज़े पानी की धारा** के रूप में जानी जाती थी, भोपाल में इसकी **गंभीर स्थिति** तथा **पुनर्जीवन प्रयासों** को लेकर अधिकारियों और पर्यावरण विशेषज्ञों द्वारा पुन: ध्यान का विषय बनी हुई है।

मुख्य बिंदु

- **पात्रा नदी के बारे में:**
  - पात्रा नदी, जिसे **पात्रा नाला** भी कहा जाता है, ऐतिहासिक रूप से **प्राचीन भोपाल से होकर बहती थी** और अपने **औषधीय गुणों के लिये प्रसिद्ध** थी।
  - ऐसा माना जाता है कि राजा भोज इसके जल में स्नान करने के बाद एक **गंभीर रोग से ठीक हो गए थे**, जिससे इसका **सांस्कृतिक महत्त्व और भी बढ़ गया।**
  - यह नदी मूलत: एक **प्राकृतिक जल निकास** और **ताज़े पानी के वाहक** के रूप में कार्य करती थी, जो **ऊपरी झील (बड़ा तालाब)** में मिलती थी।
  - तीव्र शहरीकरण, अतिक्रमण और अनियमित अपशिष्ट निर्वहन ने नदी को प्रदूषित नाले में बदल दिया है, जिससे इसका पारिस्थितिकी स्वरूप लगभग पूरी तरह नष्ट हो गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **ऊपरी झील के बारे में:**
  - **ऊपरी झील (बड़ा तालाब)** भारत की सबसे पुरानी **मानव-निर्मित झीलों** में से एक है, जिसका निर्माण 11वीं शताब्दी में **राजा भोज** द्वारा कराया गया था।
  - यह भोज आर्द्रभूमि का हिस्सा है, जिसे वर्ष 2002 में रामसर स्थल घोषित किया गया था।
  - इसके प्रमुख जल-प्रवाह स्रोतों में **कोलांस नदी** तथा **पत्रा नदी** सहित कई **मौसमी जल-धाराएँ** शामिल हैं।
  - यह झील अत्यंत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह भोपाल की **40% से अधिक जनसंख्या** को पेयजल उपलब्ध कराती है तथा **200 से अधिक पक्षी प्रजातियों** के लिये एक महत्त्वपूर्ण आवास है।

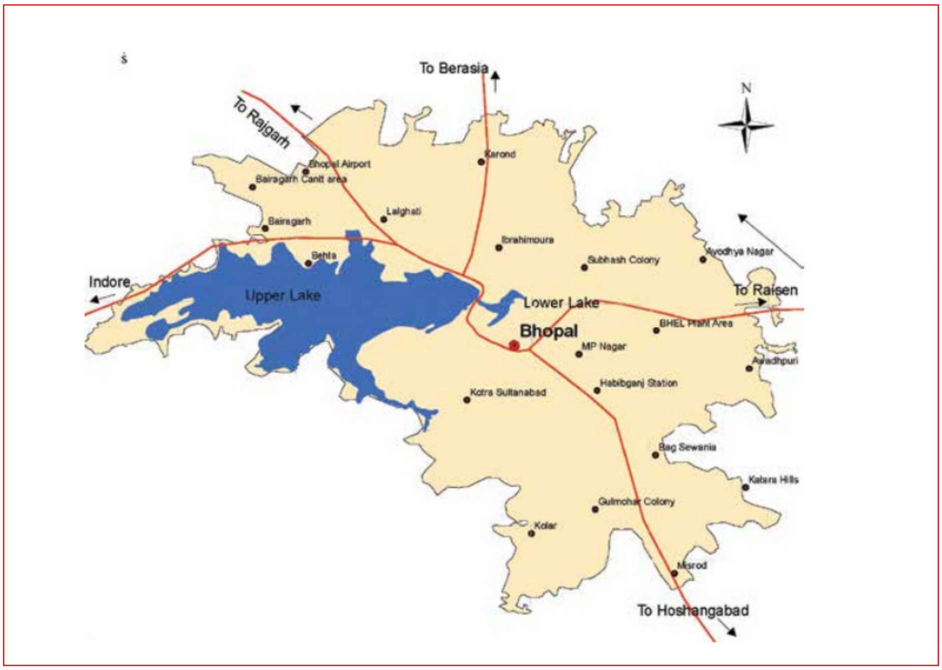

राजा भोज

- राजा भोज (लगभग 1010–1055 ई.) मालवा के परमार वंश **के सबसे प्रसिद्ध शासकों में से एक थे**, जो अपनी विद्वता, शासन कौशल और लोक कल्याणकारी कार्यों के लिये प्रसिद्ध थे।
- उन्होंने ऐतिहासिक नगर **भोजपाल** की स्थापना की, जो बाद में **आधुनिक भोपाल के रूप में विकसित हुआ,** जिसे उनके **जल-प्रबंधन कार्यों** से जोड़ा जाता है।
- उन्हें कोलांस नदी पर बाँध बनाकर **ऊपरी झील (बड़ा तालाब) के निर्माण** का श्रेय दिया जाता है, जिससे क्षेत्र के जल-भूगोल संरचना में परिवर्तन आया।
- **राजा भोज** ने आयुर्वेद, खगोल, वास्तुकला, काव्यशास्त्र तथा व्याकरण पर कई संस्कृत ग्रंथों की रचना की या उन्हें संरक्षण दिया, जैसे- **समरांगण सूत्रधार** (वास्तुकला) और **राजमार्तण्ड** (ज्योतिष)।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भोपाल में क्रेता संवाद

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के सरकारी विभागों की डिजिटल क्रय क्षमताओं को बढ़ाने के लिये गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) **28 नवंबर, 2025 को भोपाल** में '**क्रेता संवाद**' कार्यक्रम आयोजित करेगा।

मुख्य बिंदु

- **क्रेता संवाद के बारे में:**
  - **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय** मध्य प्रदेश के क्रेता संगठनों को **GeM के डिजिटल उपकरणों**, नए सुधारों और क्रय की सर्वोत्तम विधियों को **समझने में मदद करने के लिये क्रेता संवाद का** आयोजन कर रहा है।
  - इस सम्मेलन में **विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं के लिये अवसरों को भी प्रदर्शित किया जाएगा,** जिससे उन्हें राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सरकारी क्रेताओं तक सुगम पहुँच प्राप्त होगी।
  - सरलीकृत ऑनबोर्डिंग जैसे नवीनतम सुधारों ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (MSEs), **महिला उद्यमियों**, स्टार्टअप्स, **कारीगरों** और SC/ST उद्यमों **की भागीदारी को बढ़ावा दिया है।**
  - ये उपाय पारदर्शी क्रय, पूर्वानुमानित व्यावसायिक वृद्धि को बढ़ावा देते हैं एवं सरकार के विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं।
- **गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM):**
  - यह एक **100% डिजिटल** सार्वजनिक खरीद-प्लेटफॉर्म है जिसे **वर्ष 2016 में** वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के अधीन सरकारी निकायों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की पारदर्शी, कुशल तथा पेपरलेस खरीद को प्रोत्साहित करने हेतु **प्रारंभ किया** गया था।
  - यह कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत गैर-लाभकारी संस्था के रूप में पंजीकृत है, जो एक विशेष प्रयोजन निकाय के रूप में कार्य करता है, **जो केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों,** सार्वजनिक उपक्रमों, स्वायत्त निकायों और **स्थानीय एजेंसियों द्वारा क्रय क्षमता** को सक्षम बनाता है।
  - इसमें **डिजिटल नीलामी, रिवर्स नीलामी, एंड-टू-एंड पारदर्शिता**, वास्तविक समय मूल्य तुलना, कैशलेस भुगतान तथा पूर्ण ऑडिट ट्रेल्स शामिल हैं।
  - यह **MSME** समावेशन पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें वुमनिया पहल (Womaniya initiative), SC/ST उद्यमियों, **स्टार्टअप्स** तथा मेक इन इंडिया उत्पादों का समर्थन करने वाली नीतियाँ शामिल हैं।
  - निर्बाध सत्यापन तथा भुगतान सुनिश्चित करने के लिये यह आधार, GSTN, PAN **तथा बैंकों** जैसे प्लेटफॉर्मों के साथ एकीकृत है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य पालन गणना 2025 प्रारंभ

चर्चा में क्यों ?

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री **जॉर्ज कुरियन** ने ICAR**-केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (CMFRI), कोच्चि** में **राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य गणना** (MFC) 2025 का शुभारंभ किया।

- यह भारत की **पहली पूर्णतः डिजिटाइज्ड मत्स्य गणना** है, जो **डेटा-आधारित और प्रौद्योगिकी-सक्षम समुद्री शासन** की दिशा में एक **महत्त्वपूर्ण प्रयास** है।

मुख्य बिंदु

- **गणना के बारे में:**
  - **राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य गणना** 2025 एक **45-दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान** है, जिसका उद्देश्य भारत के **समुद्री मत्स्य क्षेत्र से संबंधित व्यापक आँकड़ों का संकलन** करना है।
  - यह गणना **9 तटीय राज्यों और 4 केंद्रशासित प्रदेशों** में स्थित लगभग **4,000 समुद्री मत्स्य ग्रामों** के **12 लाख मत्स्य-गृहों (fisher households)** को कवर करेगी।
  - गणना की अवधि **3 नवंबर से 18 दिसंबर, 2025** तक निर्धारित की गई है।
  - इस पहल का **समन्वय मत्स्य विभाग (DoF), मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय** के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसमें **केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (CMFRI) नोडल एजेंसी** तथा फिशरी सर्वे ऑफ इंडिया (FSI) **संचालन सहयोगी** के रूप में कार्य कर रही हैं।
- **उद्देश्य:**
  - **समुद्री मत्स्य समुदायों, अवसंरचना एवं सामाजिक-आर्थिक संकेतकों का एक व्यापक डिजिटल डाटाबेस** तैयार करना।
  - **सत्यापित डिजिटल डेटा** के माध्यम से **मत्स्य प्रबंधन का आधुनिकीकरण** तथा **कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार** करना।
  - सभी मत्स्य-समुदायों को **राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म (NFDP)** से जोड़ना, ताकि **सरकारी योजनाओं तक पहुँच** को सुगम बनाया जा सके।
  - प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (PM-MKSSY) तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के **प्रभावी क्रियान्वयन** को सुनिश्चित करना।
- **डिजिटल प्रमाणित और रियल-टाइम डेटा संग्रह प्रणाली:**
  - पहली बार यह गणना **पूर्णतः डिजिटल पद्धति** से की जा रही है, जिसमें **CMFRI द्वारा विकसित दो विशेष मोबाइल अनुप्रयोगों (Apps)** का उपयोग किया जा रहा है, जिससे **सटीकता, पारदर्शिता एवं कार्यकुशलता** सुनिश्चित की जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मोबाइल उपकरण	वास्तविक कार्य	प्रभाव पर प्रभाव
व्यास भारत (VyAS Bharat)	डेटा अध्ययन और जियो-रेफरेंसिंग	12 लाख मत्स्य-गृहों से सामाजिक-आर्थिक डेटा और प्रमुख आँकड़ों को क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा उपयोग किया जाता है। प्रत्येक डेटा प्रविष्टि को भू-संदर्भन (geo-referenced) के माध्यम से एक विशिष्ट स्थान से जोड़ा जाता है।
व्यास सूत्र (VyAS Sutra)	सत्यापन और पर्यवेक्षण	यह क्षेत्रीय डेटा के त्वरित सत्यापन की सुविधा प्रदान करता है तथा देशभर में गणना की प्रगति की **रीयल-टाइम मॉनिटरिंग** हेतु एक **केंद्रीकृत डिजिटल मंच** उपलब्ध कराता है।

LVM3-M5 प्रक्षेपण: ISRO ने भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह 'GSAT-7R' का सफल प्रक्षेपण किया

चर्चा में क्यों?

भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं में **2 नवंबर, 2025** को एक बड़ा उन्नयन हुआ, जब **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** ने **श्रीहरिकोटा** से अपने भारी प्रक्षेपण यान LVM3-M5 (**जिसे लोकप्रिय रूप से 'बाहुबली' कहा जाता है**) के माध्यम से भारतीय नौसेना के लिये अगली पीढ़ी के संचार उपग्रह GSAT-7R का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया।

मुख्य बिंदु

GSAT-7R: परिचय

- इसे विशेष रूप से **भारतीय नौसेना** के लिये तैयार किया गया है ताकि उसकी समुद्री संचार और कमांड अवसंरचना को आधुनिक बनाया जा सके।
- पूर्णत: स्वदेशी उपग्रह है, जिसमें **मल्टी-बैंड ट्रांसपोंडर** लगे हैं जो सतह, जलमग्न और हवाई नौसैनिक संसाधनों के बीच **आवाज़, वीडियो और डेटा संचार** को सक्षम बनाते हैं।
- पूरे **हिंद महासागर क्षेत्र** (Indian Ocean Region- IOR) में अबाधित और एन्क्रिप्टेड (सुरक्षित) कनेक्टिविटी प्रदान करता है।
- यह **रियल-टाइम सिचुएशनल अवेयरनेस** को बढ़ाता है, जिससे **जहाज़ों, पनडुब्बियों, एयरक्राफ्ट और कमांड सेंटर्स** के बीच **जॉइंट कोऑर्डिनेशन** हो पाता है।
- भारत की समुद्री क्षेत्र जागरूकता प्रणाली (Maritime Domain Awareness Grid) में एक **फोर्स मल्टीप्लायर** के रूप में कार्य करता है, जो अभियानों के दौरान सुरक्षित और सशक्त संचार सुनिश्चित करता है।

प्रक्षेपण यान- LVM3-M5 ('बाहुबली')

- यह भारत का सबसे **भारी परिचालन रॉकेट** है, जिसे पहले **GSLV Mk-III** के नाम से जाना जाता था।
- **पेलोड क्षमता:**
  - **जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO)** तक 4,000 किलोग्राम।
  - **लो अर्थ ऑर्बिट (LEO)** तक 8,000 किलोग्राम।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **संरचना (Configuration):** यह तीन चरणों वाला प्रक्षेपण यान है, जिसमें शामिल हैं-
  - लिफ्टऑफ थ्रस्ट के लिये S200 सॉलिड स्ट्रैप-ऑन बूस्टर।
  - **ट्विन विकास इंजन** द्वारा संचालित L110 लिक्विड कोर स्टेज।
  - C25 क्रायोजेनिक अपर स्टेज - पूरी तरह से भारत में विकसित।
- यह **गगनयान ह्यूमन स्पेसफ्लाइट मिशन** के लिये **बेसलाइन लॉन्चर** के तौर पर कार्य करता है, जहाँ इसके मॉडिफाइड वर्जन को **ह्यूमन-रेटेड LVM3 (HRLV)** कहा जाता है।
- **उपनाम 'बाहुबली'** इसकी विशाल उठाने की शक्ति और मिशनों में निरंतर विश्वसनीयता को दर्शाता है।

विकास पृष्ठभूमि

- M5 मिशन LVM3 सीरीज़ में **पाँचवीं सफल उड़ान** है, जो इस वाहन के साथ ISRO की शानदार सफलता की कड़ी को जारी रखता है।
- यह नौसेना के लिये **GSAT-7 (रुक्मिणी)** और वायु सेना के लिये **GSAT-7A** जैसे पहले के उपग्रहों के बाद आया है, जो भारत की रक्षा संचार क्षमताओं का विस्तार करता है।

त्रि-सेवा सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल 2025'

चर्चा में क्यों ?

त्रि-सेवा संयुक्त सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल 2025' का आरंभ **3 नवंबर, 2025** से होने जा रहा है। यह अभ्यास **भारतीय नौसेना** के नेतृत्व में आयोजित होगा, जिसमें **थल सेना, वायु सेना और समुद्री घटक** शामिल होंगे। अभ्यास का क्षेत्र **गुजरात और राजस्थान के सिर क्रीक एवं रेगिस्तानी क्षेत्रों** से लेकर **उत्तर अरब सागर** तक विस्तारित रहेगा।

मुख्य विवरण

- यह व्यापक पैमाने पर आयोजित अभ्यास **भारतीय नौसेना** के नेतृत्व में और **पश्चिमी नौसेना कमान** के समन्वय में किया जा रहा है।
- इसमें **थल सेना की दक्षिणी कमान, नौसेना की पश्चिमी कमान** तथा **भारतीय वायु सेना की दक्षिण-पश्चिमी कमान** सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं।
- **अभ्यास का उद्देश्य:**
  - संयुक्त संचालन प्रक्रियाओं का सत्यापन करना।
  - तीनों सेनाओं के बीच अंतरसंचालन क्षमता (Interoperability) को सुदृढ़ बनाना।
  - बहु-क्षेत्रीय अभियानों (Multi-Domain Operations) के लिये नेटवर्क आधारित कमांड एकीकरण को मज़बूत करना।

सिर क्रीक

- **स्थान:** यह एक दलदली मुहाना क्षेत्र है जो **कच्छ (गुजरात, भारत)** और **सिंध (पाकिस्तान)** के बीच स्थित है, जहाँ **कच्छ का रण** अरब सागर से मिलता है।
- **लंबाई:** लगभग **96 किलोमीटर** लंबी ज्वारीय क्रीक।
- **विवाद:** यह **भारत-पाकिस्तान सीमा विवाद** का हिस्सा है, भारत इसे **मध्य जलधारा (Mid-Channel)** तक अपनी सीमा मानता है, जबकि पाकिस्तान **पूर्वी तट (Eastern Bank)** को सीमा रेखा मानता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **रणनीतिक महत्त्व:**
  - यह क्षेत्र एक **संवेदनशील तटीय सुरक्षा क्षेत्र** तथा **रणनीतिक समुद्री सीमा** के रूप में कार्य करता है।
  - **पश्चिमी नौसेना कमान** के अंतर्गत **नौसैनिक और तटीय निगरानी** के लिये अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।
  - **समुद्री संसाधनों से समृद्ध:** यह क्षेत्र मछली पालन और अन्य समुद्री संसाधनों से भरपूर है, जिससे संभावित **विशेष आर्थिक क्षेत्र** (Exclusive Economic Zone- EEZ) संबंधी दावे उत्पन्न हो सकते हैं।
  - **पर्यावरणीय दृष्टि से महत्त्वपूर्ण:** सिर क्रीक **सिंधु डेल्टा पारिस्थितिकी तंत्र** (Indus Delta Ecosystem) का हिस्सा है, जो जैवविविधता संरक्षण और तटीय पर्यावरणीय संतुलन के लिये अत्यंत आवश्यक है।

पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (IDEI) 2025

चर्चा में क्यों?

2 नवंबर, 2025 को **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन** (UNESCO) के तत्त्वाधान में **पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस** (International Day to End Impunity for Crimes Against Journalists- IDEI) मनाया जा रहा है। इस वर्ष का विशेष फोकस विषय है **"महिला पत्रकारों के विरुद्ध AI-सक्षम लैंगिक आधारित हिंसा"** (AI-facilitated Gender-Based Violence against Women Journalists)।

- यह अभियान इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि **कृत्रिम बुद्धिमत्ता** (Artificial Intelligence) किस प्रकार **मीडिया में कार्यरत महिलाओं के विरुद्ध नए प्रकार के उत्पीड़न और उनकी आवाज़ दबाने के तरीकों** को सक्षम बना रही है।

मुख्य बिंदु

- यह दिवस **संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2013** में स्थापित किया गया था, जब **फ्राँसीसी पत्रकार गिस्लेन ड्यूपॉंट** (Ghislaine Dupont) और **क्लॉड वर्लोन** (Claude Verlon) की **माली** में हत्या की गई थी।
- **यूनेस्को का अभियान:** संगठन ने "CTRL + ALT + MUTE" नामक जन-जागरूकता पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य महिला पत्रकारों के समक्ष मौजूद खतरों को उजागर करना और दंडमुक्ति तथा डिजिटल हिंसा के विरुद्ध वैश्विक कार्रवाई को प्रोत्साहित करना है।
- **2025 की थीम:** इस वर्ष का फोकस **"AI-सक्षम लैंगिक आधारित हिंसा"** पर है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि **डीपफेक्स, डॉक्सिंग और संगठित ऑनलाइन ट्रोलिंग** जैसे दुरुपयोग के रूप **महिला पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिये गंभीर खतरा** बनते जा रहे हैं।
- **वैश्विक आँकड़े:** वर्ष **2006 से 2024** के बीच **विश्वभर में 1,700 से अधिक पत्रकारों की हत्या** हुई है, जिनमें से लगभग **10 में से 9 मामलों में न्याय नहीं मिल पाया** है।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)

- **स्थापना:** 1945 (संविधान 1946 में प्रभावी हुआ)
- **मुख्यालय:** पेरिस, फ्राँस
- **मंडेट (Mandate):** शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और संचार के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना, ताकि **शांति, सतत् विकास तथा मानवाधिकारों** को विश्वभर में सशक्त किया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मुख्य कार्य:**
  - अपने कार्यक्षेत्रों में वैश्विक मानक और मानदंड (Norms and Standards) निर्धारित करना।
  - अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिये उपकरण और कार्यक्रम विकसित करना।
  - ज्ञान का उत्पादन करना और सदस्य देशों के लिये साक्ष्य-आधारित नीतिनिर्माण (Evidence-Based Policymaking) का समर्थन करना।
  - विश्व धरोहर स्थल (World Heritage Sites), जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र (Biosphere Reserves) और रचनात्मक नगर (Creative Cities) जैसी वैश्विक नेटवर्क व्यवस्थाओं का संरक्षण एवं प्रबंधन करना।

भारतीय महिला टीम ने क्रिकेट विश्व कप 2025 जीता

चर्चा में क्यों?

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने **नवी मुंबई में आयोजित** फाइनल मैच में **दक्षिण अफ्रीका** को हराकर **अपना पहला ICC महिला वनडे विश्व कप** जीतकर इतिहास रच दिया।

मुख्य बिंदु

- **भारत की यात्रा:**
  - भारत इससे पहले वर्ष **2005** और **2017** में फाइनल में पहुँचा था, जहाँ उसे क्रमश: **ऑस्ट्रेलिया** और **इंग्लैंड** से हार का सामना करना पड़ा।
  - इस जीत के साथ भारत **ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड** के बाद **महिला विश्व कप** (**हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में**) **जीतने वाला चौथी देश** बन गया।
- **टूर्नामेंट के बारे में:**
  - वर्ष 2025 का टूर्नामेंट महिला क्रिकेट विश्व कप का **13वाँ संस्करण** था, जो 4 साल के अंतराल के बाद आयोजित किया गया।
  - भारत और श्रीलंका ने **कुल 8 टीमों की मेज़बानी** की। मेज़बान देश: **भारत** (और श्रीलंका)।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
  - **कोच (भारत):** अमोल मजूमदार
  - **कप्तान (दक्षिण अफ्रीका):** लौरा वोल्वाड्र्ट
  - **प्लेयर ऑफ द मैच:** शैफाली वर्मा
  - **प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट:** दीप्ति शर्मा
- **पूर्व 4 संस्करणों के विजेता:**
  - 2013: ऑस्ट्रेलिया
  - 2017: इंग्लैंड
  - 2022: ऑस्ट्रेलिया
  - 2025: भारत

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- **पुरस्कार:**
  - अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने विजेता टीम के लिये **4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 39 करोड़ रुपए)** की पुरस्कार राशि घोषित की।
  - भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (BCCI) ने विजय के उपरांत भारतीय महिला टीम के लिये **51 करोड़ रुपए** के नगद पुरस्कार की घोषणा की।

क्यूएस रैंकिंग एशिया 2026 में 137 भारतीय संस्थान

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **QS रैंकिंग** में भारतीय विश्वविद्यालयों की **रिकॉर्ड वृद्धि** को रेखांकित करते हुए **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान** और **नवाचार** के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

- **क्वाक्वेरेली साइमंड्स (QS)** एक **लंदन स्थित वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषक** संस्था है, जो व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त **QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग** जारी करने के लिये जानी जाती है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - **QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग एशिया 2026** के अनुसार, यद्यपि कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय शीर्ष 50 में शामिल नहीं है, परंतु भारत ने **137 विश्वविद्यालयों की वृद्धि** के साथ वर्ष 2016 की तुलना में **1,125% की वृद्धि** दर्ज की है।
  - **QS एशिया रैंकिंग** में अब **भारत के 294 विश्वविद्यालय** शामिल हैं, जिससे वह **चीन के बाद दूसरे स्थान** पर है।
    - चीन ने इस वर्ष **261 विश्वविद्यालयों** को जोड़ा है, जिससे उसकी **कुल संख्या 395** हो गई है।
  - भारतीय संस्थान **शैक्षणिक प्रतिष्ठा, अनुसंधान उत्पादकता** और **नियोजक प्रतिष्ठा** के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, हालाँकि **अंतर्राष्ट्रीयकरण तथा अनुसंधान दृश्यता** के मामले में अभी भी पिछड़े हुए हैं।
- **एशिया में शीर्ष प्रदर्शनकर्त्ता:**
  - **हॉन्गकॉन्ग विश्वविद्यालय** : प्रथम स्थान
  - **पेकिंग विश्वविद्यालय** : दूसरा स्थान
  - **नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (NUS)** और **नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (NTU)** : तीसरा स्थान (संयुक्त)
- **शीर्ष भारतीय संस्थान :**
  - **IIT दिल्ली:** 59वाँ स्थान (2025 में 44वें से नीचे)
  - **IIT बॉम्बे:** 71वाँ स्थान (2025 में 48वें से नीचे)
  - **IISc बंगलूरू:** 64वाँ स्थान (2025 में 62वें से नीचे)
  - **IIT मद्रास:** 70वाँ स्थान (2025 में 56वें से नीचे)
  - **IIT कानपुर:** 77वाँ स्थान (2025 में 67वें से नीचे)
  - **दिल्ली विश्वविद्यालय:** 95वाँ स्थान (2025 में 81वें से नीचे)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **निजी संस्थानों की प्रगति:**
  - **चंडीगढ़ विश्वविद्यालय** ने सुधार करते हुए **109वाँ स्थान** प्राप्त किया (2025 में 120वें से ऊपर)।
  - **BITS पिलानी, शूलिनी विश्वविद्यालय** तथा **ओ.पी. जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय** ने भी अपने **अब तक के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग स्तर** हासिल किये हैं।

अमूल विश्व की शीर्ष सहकारी समितियों में प्रथम

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने **ICA वर्ल्ड कोऑपरेटिव मॉनिटर 2025 रिपोर्ट** के अनुसार **अमूल** तथा इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइज़र कोऑपरेटिव लिमिटेड (IFFCO) को वैश्विक स्तर पर शीर्ष दस सहकारी संस्थाओं में क्रमशः **पहला और दूसरा स्थान** प्राप्त करने पर बधाई दी है।

- इस उपलब्धि को **दोहा, कतर** में आयोजित **ICA CM50 सम्मेलन** के दौरान औपचारिक रूप से मान्यता दी गई।

मुख्य बिंदु

- **अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (ICA)** ने **यूरोपीय सहकारी एवं सामाजिक उद्यम अनुसंधान संस्थान** (Euricse) के सहयोग से, **संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष** के उपलक्ष्य में **विश्व सहकारी मॉनिटर (WCM) 2025** का संस्करण जारी किया।
- WCM का यह **13वाँ संस्करण** वैश्विक सहकारी क्षेत्र का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करता है, जो विश्व में **सतत्, समावेशी और लचीली अर्थव्यवस्थाओं** में सहकारी समितियों के योगदान को दर्शाता है।
- **वर्ष 2025 की रिपोर्ट** में **शीर्ष 300 सहकारी समितियाँ** शामिल हैं, जिनका वर्ष **2023 में संयुक्त कारोबार 2.79 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर** रहा तथा कृषि, वित्त, स्वास्थ्य, ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में उनके **आर्थिक प्रभाव** को उजागर किया गया है।
- **प्रति व्यक्ति GDP के अनुपात में कारोबार** के आधार पर भारत की **अमूल** और IFFCO ने वैश्विक सूची में **शीर्ष स्थान** प्राप्त किया है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सहकारी संस्थाओं की मज़बूती को दर्शाता है।
  - यह रैंकिंग **आर्थिक सशक्तीकरण और विकास को गति देने** में **भारत के सहकारी क्षेत्र की क्षमता तथा नेतृत्व** को भी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करती है।

अमूल (गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड)

- **अमूल** की स्थापना वर्ष 1946 में **कैरा ज़िला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड**, आनंद (गुजरात) के रूप में की गई थी। इसे **त्रिभुवनदास पटेल** ने **मोरारजी देसाई** और सरदार वल्लभ भाई पटेल के सहयोग से प्रारंभ किया था।
- वर्ष 1950 में इस सहकारी संस्था ने **"अमूल" ब्रांड** की शुरुआत की, जो आज भारत की **सबसे बड़ी खाद्य उत्पाद विपणन संस्था** बन चुकी है।
  - वित्त वर्ष **2023-24** में अमूल का वार्षिक कारोबार **7.3 अरब अमेरिकी डॉलर** रहा।

IFFCO (इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइज़र कोऑपरेटिव लिमिटेड)

- इसकी स्थापना वर्ष **1967** में हुई थी और इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में स्थित है।
- यह भारतीय किसानों के लिये उर्वरकों का उत्पादन और विपणन करती है।
- विश्व की सबसे बड़ी सहकारी संस्थाओं में से एक IFFCO के पास **35,000 सदस्य सहकारी समितियाँ** हैं, जो पूरे भारत में **5 करोड़ से अधिक किसानों** तक अपनी सेवाएँ पहुँचाती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गुरु नानक देव जयंती

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रपति **द्रौपदी मुर्मू** ने गुरु नानक जयंती के अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ प्रकट कीं और सभी नागरिकों से बेहतर समाज के निर्माण हेतु गुरु नानक देव की **सत्य, न्याय, करुणा तथा मानव समानता की शिक्षाओं को अपनाने का आग्रह किया।**

मुख्य बिंदु

- **गुरु नानक (1469-1539)** का जन्म **1469 में पाकिस्तान के लाहौर के पास तलवंडी गाँव** में हुआ था। वे **दस सिख गुरुओं में प्रथम** थे।
- **प्रारंभिक जीवन:** गुरु नानक ने **लोदी प्रशासन** में **सुल्तानपुर** में क्लर्क के रूप में कार्य किया।
- लगभग **30 वर्ष की आयु** में, गुरु नानक ने **काली बीन नदी** के पास **आध्यात्मिक अनुभूति** और **ईश्वर के साथ प्रत्यक्ष साक्षात्कार** का अनुभव किया। इसके पश्चात उन्होंने उद्घोष किया,
- **"न तो हिंदू है और न ही मुस्लिम।"**
- **दर्शन:** वे **भक्ति आंदोलन के निर्गुण दर्शन** के समर्थक थे और कबीर दास से प्रभावित थे। उन्होंने **नाम जपना** जैसी आध्यात्मिक प्रथाओं पर ज़ोर दिया अर्थात् ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करने के लिये **ईश्वर के नाम का जाप** करना।
- **शिक्षाएँ और यात्राएँ:** गुरु नानक ने अपने मुस्लिम साथी **मरदाना** के साथ भारत और मध्य पूर्व में **व्यापक यात्रा** कर अपना संदेश फैलाया। उनके द्वारा रचित भजनों को वर्ष **1604 में पाँचवें सिख गुरु अर्जुनदेव**
- ने **आदि ग्रंथ** में शामिल किया।
- **सामुदायिक स्थापना और विरासत:** उन्होंने **करतारपुर** में बसकर पहला सिख समुदाय स्थापित किया, जहाँ शिष्य एक साथ रहते और पूजा करते थे। उन्होंने समुदाय का नेतृत्व करने के लिये **गुरु अंगद (भाई लहना)** को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया।

सिख गुरु और उनके प्रमुख योगदान

गुरु	अवधि	प्रमुख योगदान
गुरु नानक देव	1469-1539	सिख धर्म के संस्थापक; **गुरु का लंगर शुरू किया; बाबर** के समकालीन; **550वीं** जयंती करतारपुर कॉरिडोर **के साथ मनाई गई।**
गुरु अंगद	1504-1552	**गुरु मुखी लिपि का** आविष्कार; **गुरु का लंगर को लोकप्रिय बनाया।**
गुरु अमरदास	1479-1574	आनंद कारज विवाह की शुरुआत की; **सती प्रथा और पर्दा प्रथा का उन्मूलन; अकबर के समकालीन।**
गुरु रामदास	1534-1581	**वर्ष 1577 में अमृतसर की** स्थापना की, स्वर्ण मंदिर का निर्माण शुरू किया।
गुरु अर्जुनदेव	1563-1606	वर्ष 1604 में आदि ग्रंथ की रचना की गई; स्वर्ण मंदिर का निर्माण **पूरा किया गया; जहाँगीर द्वारा इसका निर्माण कराया गया।**
गुरु हरगोबिंद	1594-1644	सिखों को एक **सैन्य समुदाय में परिवर्तित किया; अकाल तख्त की स्थापना की; जहाँगीर और शाहजहाँ के** खिलाफ युद्ध छेड़े।
गुरु हरराय	1630-1661	औरंगज़ेब के साथ शांति को बढ़ावा दिया; मिशनरी कार्य पर ध्यान केंद्रित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गुरु हरकृष्ण	1656-1664	सबसे युवा गुरु; इस्लाम विरोधी ईशनिंदा के लिये औरंगज़ेब द्वारा बुलाया गया।
गुरु तेग बहादुर	1621-1675	**आनंदपुर साहिब** की स्थापना की, वर्ष **1675 में** मुगल सम्राट औरंगज़ेब के आदेश पर सिर कटवा दिया गया।
गुरु गोबिंद सिंह	1666-1708	**वर्ष 1699** में खालसा पंथ की स्थापना की; **पाहुल** (बपतिस्मा समारोह) की शुरुआत की; **गुरु ग्रंथ साहिब** को गुरु पद सौंपने वाले **अंतिम गुरु।**

मालदीव ने विश्व में पहली बार पीढ़ीगत धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया

चर्चा में क्यों ?

मालदीव **आधिकारिक रूप से दुनिया का पहला देश** बन गया है जिसने **धूम्रपान पर पीढ़ीगत प्रतिबंध** लागू किया है, जिसके तहत **1 जनवरी, 2007 या उसके बाद जन्मे किसी भी व्यक्ति** को तंबाकू उत्पादों को **खरीदने, रखने या उपयोग** करने की अनुमति नहीं है।

मुख्य बिंदु

- **पीढ़ीगत प्रतिबंध:**
  - यह प्रतिबंध सिगरेट, सिगार और धूम्ररहित तंबाकू सहित **सभी प्रकार के तंबाकू** पर लागू होता है।
  - उल्लंघन को रोकने के लिये खुदरा विक्रेताओं को बिक्री से पहले **आयु की पुष्टि करनी होगी।**
  - इसका उद्देश्य **एक पीढ़ी के भीतर तंबाकू के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है** ।
  - मालदीव में पहले से ही **वेपिंग और ई-सिगरेट पर पूर्ण प्रतिबंध** है, चाहे उम्र कोई भी हो।
    - **न्यूज़ीलैंड** ऐसा कानून लागू करने वाला पहला देश था (1 जनवरी, 2009 के बाद जन्म लेने वालों के लिये), लेकिन उसने इसे प्रभावी होने से पहले ही वर्ष 2023 में **निरस्त कर दिया।**
- **स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य:**
  - WHO (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार, तंबाकू से हर साल लगभग **70 लाख लोगों की मौत होती है।**
  - यह कदम युवाओं में तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति को रोकने तथा भावी पीढ़ियों की सुरक्षा के लिये WHO के तंबाकू नियंत्रण फ्रेमवर्क कन्वेंशन (FCTC) के अनुरूप है।

तंबाकू नियंत्रण पर WHO फ्रेमवर्क कन्वेंशन (FCTC)

- **परिचय:**
  - यह **विश्व की पहली वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य संधि** है। 180 से अधिक देशों (भारत सहित) ने इस संधि को अनुमोदित किया है।
  - इसे वर्ष 2003 में अपनाया गया और 2005 में लागू किया गया।
- **उद्देश्य:**
  - वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों को तंबाकू सेवन तथा **तंबाकू के धुएँ के संपर्क** से होने वाले **विनाशकारी स्वास्थ्य, सामाजिक, पर्यावरणीय एवं आर्थिक परिणामों** से सुरक्षित रखना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रमुख प्रावधान:**
  - **तंबाकू विज्ञापन, प्रचार और प्रायोजन** पर प्रतिबंध।
  - पैकेजिंग के कम-से-कम 30-50% भाग पर **स्वास्थ्य चेतावनियाँ अनिवार्य।**
  - कराधान और सार्वजनिक धूम्रपान प्रतिबंध सहित **तंबाकू की मांग तथा आपूर्ति को कम करने** के उपाय।
  - **अवैध व्यापार का विनियमन** और नीति-निर्माण में **उद्योग हस्तक्षेप से सुरक्षा**।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फेरारी रेस करने वाली पहली भारतीय महिला

चर्चा में क्यों ?

डायना पुंडोले ने **अंतर्राष्ट्रीय सर्किट पर फेरारी 296 चैलेंज कार** चलाने वाली पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रच दिया।

मुख्य बिंदु

- डायना पुंडोले **फेरारी 296 चैलेंज** में प्रतिस्पर्द्धा कर रही हैं, जो एक **प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय वन-मेक रेसिंग शृंखला** है, जिसमें ब्रांड की नवीनतम **उच्च प्रदर्शन वाली रेस कार** शामिल है।
- **दुबई ऑटोड्रोम** और **यास मरीना, अबू धाबी** सहित मध्य-पूर्वी सर्किटों में उनकी भागीदारी उन्हें **वैश्विक स्तर पर आधिकारिक तौर पर फेरारी रेस करने वाली पहली भारतीय महिला** बनाती है।
- **फेरारी 296 चैलेंज के बारे में:**
  - फेरारी 296 चैलेंज, **फेरारी की चैलेंज रेसिंग शृंखला का नवीनतम मॉडल है**, जो 488 चैलेंज इवो का स्थान लेगा।
  - यह शृंखला फेरारी के वैश्विक **वन-मेक चैंपियनशिप प्रारूप के तहत चलती है**, जिसमें विश्व के पेशेवर और शौकिया (जेंटलमैन) रेसर शामिल होते हैं।

भारतीय नौसेना द्वारा 'इक्षक' नौसेना में शामिल

चर्चा में क्यों ?

भारतीय नौसेना, कोच्चि स्थित नौसेना बेस में, सर्वे वेसल लार्ज (SVL) श्रेणी के तीसरे पोत **INS इक्षक** का जलावतरण करेगी।

मुख्य बिंदु

- **इक्षक पोत के बारे में:**
  - 'इक्षक' नाम का अर्थ है **"मार्गदर्शक"**, जो समुद्रों के सटीक मानचित्रण और नौवहन का कार्य करने वाले इस जहाज़ की भूमिका को पूर्णत: प्रतिबिंबित करता है।
  - यह **दक्षिणी नौसैनिक कमान (कोच्चि)** में तैनात किया जाने वाला **पहला SVL-श्रेणी का पोत** है।
  - **गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) लिमिटेड**, कोलकाता द्वारा निर्मित इस पोत में 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **भूमिका और कार्य:**
  - यह जहाज़ बंदरगाहों, **हार्बरों और नौवहन चैनलों** के **तटीय एवं गहरे जल क्षेत्रों के हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण** के लिये डिज़ाइन किया गया है।
  - इस पोत से प्राप्त सर्वेक्षण आँकड़े **सुरक्षित समुद्री नौवहन, बंदरगाह प्रबंधन** और **सामुद्रिक संसाधनों के आकलन** में सहायक होंगे।
  - यह भारत की **सटीक नौवहन चार्ट तैयार करने की क्षमता** को सुदृढ़ करेगा, जिससे **नागरिक और सैन्य दोनों समुद्री अभियानों** को समर्थन प्राप्त होगा।

सर्वे वेसल लार्ज (SVL) श्रेणी

- **सर्वे वेसल लार्ज परियोजना** भारत के **हाइड्रोग्राफिक सर्वे पोत के आधुनिकीकरण** तथा पुराने **संधायक-श्रेणी के पोतों** के प्रतिस्थापन के उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी।
- इस श्रेणी में कुल **चार पोत** सम्मिलित हैं- **INS संधायक, INS निर्देशक, INS इक्षक** तथा **INS संशोधक** (निर्माणाधीन)।
- ये सभी पोत **गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE), कोलकाता** द्वारा **आत्मनिर्भर भारत पहल** के अंतर्गत निर्मित किये जा रहे हैं।
- इन्हें **हाइड्रोग्राफिक, ओशनोग्राफिक एवं कार्टोग्राफिक सर्वेक्षण** करने हेतु डिज़ाइन किया गया है, जिससे **नौवहन चार्ट तैयार करने** तथा **नागरिक और रक्षा दोनों समुद्री अभियानों** में सहयोग प्रदान किया जा सके।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" के **150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में** एक वर्ष तक चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** वंदे मातरम् को **बंकिमचंद्र चटर्जी** द्वारा **7 नवंबर, 1875** को **अक्षय नवमी** के दिन रचित किया गया था।
  - यह गीत पहली बार **साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन** में उनके प्रतिष्ठित उपन्यास आनंदमठ के भाग के रूप में प्रकाशित हुआ।
- **अंगीकरण:** इसे भारत का राष्ट्रीय गीत घोषित किया गया; **इसके प्रथम दो पद्यांशों को** 24 जनवरी,1950 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया।
- **भाषा:** मूलत: यह **संस्कृतनिष्ठ बंगाली** में रचित है
- **संगीत रचना:** इसे रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा संगीतबद्ध किया गया और यह पहली बार वर्ष **1896 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन** में प्रस्तुत किया गया।
- यह गीत **भारत माता** को **शक्ति, समृद्धि और दिव्यता** का प्रतीक बताता है तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विशेष अभियान 5.0

चर्चा में क्यों ?

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (DHR) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) ने **विशेष अभियान 5.0** का सफलतापूर्वक समापन किया।

मुख्य बिंदु

- **विशेष अभियान 5.0:**
    - यह भारत सरकार की **राष्ट्रव्यापी पहल** है, जिसका उद्देश्य **स्वच्छता, कुशल रिकॉर्ड प्रबंधन**, तथा PMO **और सांसद संदर्भों एवं सार्वजनिक शिकायतों सहित लंबित मामलों का समय पर समाधान** सुनिश्चित करना है।
    - इस अभियान में **DHR और ICMR** के साथ-साथ **भारत के 27 संस्थानों** ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- **प्रमुख उपलब्धियाँ:**
    - अभियान के दौरान **जन शिकायतों, PG अपीलों और PMO संदर्भों** के समाधान में **100% लक्ष्य प्राप्ति**।
- सभी संबद्ध कार्यालयों और क्षेत्रीय संस्थानों में व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया गया।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत ने 7 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया, जिसका उद्देश्य **कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान और जागरूकता** को बढ़ावा देना था।

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
    - यह दिन **मैरी क्यूरी (7 नवंबर, 1867) की जयंती** के अवसर पर पड़ता है, जिनके रेडियोधर्मिता **पर अभूतपूर्व शोध** ने **कैंसर** के निदान और उपचार में क्रांति ला दी थी।
    - कैंसर की रोकथाम तथा स्क्रीनिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये **केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** द्वारा **वर्ष 2014 में** घोषित किया गया था।
- **उद्देश्य और महत्त्व:**
    - इसका उद्देश्य नागरिकों को **जीवन शैली में बदलाव, नियमित स्वास्थ्य जाँच** और **समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप के महत्त्व के बारे में शिक्षित करना है।**
    - भारत में **कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं**, हर वर्ष **14 लाख से अधिक नए मामले** सामने आते हैं, जिनमें से कई का पता **उन्नत अवस्था में** चलता है।
- **थीम 2025:**
    - यद्यपि भारत का अभियान घरेलू दृष्टिकोण पर केंद्रित है, फिर भी यह **वैश्विक विश्व कैंसर दिवस (2025-27) की थीम "यूनाइटेड बाय यूनिक" के अनुरूप है**, जो कैंसर उपचार में व्यक्तिगत देखभाल और समावेशिता पर प्रकाश डालती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मारिया स्कोलोडोव्स्का-क्यूरी (1867-1934)

- **राष्ट्रीयता:** पोलैंड में जन्म, बाद में फ्राँसीसी नागरिक।
- **प्रमुख खोजें:**
  - रेडियोधर्मी तत्त्व **रेडियम (Ra)** और **पोलोनियम (Po)** की खोज।
  - कैंसर उपचार (रेडियोथेरेपी) में रेडियोधर्मिता की अवधारणा और चिकित्सा उपयोग में अग्रणी।
- **पुरस्कार और सम्मान:**
  - नोबेल पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला।
  - दो अलग-अलग विज्ञानों (**भौतिकी, 1903 और रसायन विज्ञान, 1911**) में दो नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली एकमात्र महिला।
- **वैज्ञानिक प्रभाव:**
  - उनके शोध ने **कैंसर निदान और उपचार** में प्रयुक्त **परमाणु चिकित्सा** तथा **विकिरण चिकित्सा** की नींव रखी।

गूगल का प्रोजेक्ट सनकैचर

चर्चा में क्यों?

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी गूगल ने **प्रोजेक्ट सनकैचर** की घोषणा की है, जो अंतरिक्ष में AI-संचालित डेटा केंद्र विकसित करने के लिये एक महत्त्वाकांक्षी अनुसंधान पहल है।

मुख्य बिंदु

- **प्रोजेक्ट सनकैचर के बारे में:**
  - इस परियोजना में **सौर ऊर्जा से संचालित उपग्रहों द्वारा** अंतरिक्ष में **AI डेटा केंद्रों** की मेज़बानी करने की परिकल्पना की गई है, ताकि स्थलीय सुविधाओं को शीतल करने के लिये उपयोग की जाने वाली पृथ्वी की ऊर्जा और पानी की खपत को कम किया जा सके।
  - ये **परिक्रमा करने वाले डेटा केंद्र** प्रति सेकंड **दसियों टेराबिट्स** की गति से डेटा स्थानांतरित करने के लिये **मुक्त-स्थान ऑप्टिकल लिंक** का उपयोग करेंगे, जिससे **स्टारलिंक** जैसे उपग्रह इंटरनेट तारामंडल के समान **वितरित नेटवर्क** का निर्माण होगा।
  - गूगल अपने अंतरिक्ष-आधारित TPU (टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट) हार्डवेयर का परीक्षण करने के लिये वर्ष **2027 की शुरुआत तक दो प्रोटोटाइप उपग्रहों को लॉन्च करने की योजना बना रहा है।**
- **अंतरिक्ष-आधारित AI केंद्रों की आवश्यकता:**
  - AI डेटा सेंटर्स को शीतल **करने के लिये भारी मात्रा में विद्युत् और पानी** की आवश्यकता होती है, जो वैश्विक स्तर पर AI के बढ़ते उपयोग के कारण **पर्यावरणीय चिंता** का विषय बन रहा है।
  - **अंतरिक्ष** में सौर पैनल पृथ्वी की तुलना में **8 गुना अधिक कुशल हैं तथा निरंतर और स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति प्रदान करते हैं।**
- **कार्य प्रणाली:**
  - ये उपग्रह एक समेकित उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग नेटवर्क के रूप में कार्य करने के लिये **सौर ऊर्जा** और **ऑप्टिकल डेटा ट्रांसमिशन पर निर्भर होंगे।**
  - TPU (Trilium v6e) का **विकिरण प्रतिरोध** और **चरम स्थितियों में प्रदर्शन** के लिये परीक्षण किया जा रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 — SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2025

चर्चा में क्यों ?

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ने **"ऑफ टारगेट"** शीर्षक से अपनी उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2025 जारी की, जिसमें चेतावनी दी गई है कि पेरिस समझौते के तहत वर्तमान **जलवायु प्रतिज्ञाएँ 1.5 डिग्री सेल्सियस लक्ष्य** को प्राप्त करने के लिये **अपर्याप्त** हैं।

मुख्य बिंदु

- **अनुमानित तापमान वृद्धि स्तर:**
  - **वर्तमान नीतियों के तहत, अनुमान है कि वर्ष 2100 तक** विश्व का तापमान लगभग 2.8°C बढ़ जाएगा।
  - यदि सभी **राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs)** को पूरी तरह क्रियान्वित किया जाए, तो सदी के अंत तक अनुमानित तापमान वृद्धि को लगभग **2.3-2.5°C** तक सीमित किया जा सकता है।
  - यह पिछले वर्ष (2024) के **2.6-2.8°C** के अनुमान से केवल मामूली सुधार है, जो **नई प्रतिबद्धताओं की सीमित प्रगति** को दर्शाता है।
- **प्रभावित करने वाले कारक:**
  - पद्धतिगत समायोजन के कारण अनुमानों में **0.1°C** का सुधार हुआ।
  - वहीं, **संयुक्त राज्य अमेरिका के पेरिस समझौते से बाहर होने** से उतना ही नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है।
- **कटौती लक्ष्य:**
  - 2°C तक ग्लोबल वार्मिंग सीमित करने के लिये, वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को **वर्ष 2035 तक वर्ष 2019 के स्तर से 35%** घटाना होगा।
  - **1.5°C के अधिक महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य** को प्राप्त करने के लिये, **उत्सर्जन में वर्ष 2019 के स्तर से 55% की कमी** आवश्यक है।
  - हालाँकि UNEP ने चेतावनी दी है कि अगले दशक में **1.5°C सीमा** का अस्थायी रूप से उल्लंघन होने की **संभावना** है, जो उत्सर्जन में और अधिक **गहन एवं तीव्र कटौती** की आवश्यकता को रेखांकित करता है।
- **सकारात्मक संकेतक:**
  - अनुमानित तापमान वृद्धि **3-3.5°C (2015)** से घटकर लगभग **2.5°C (2025)** हो गई है, जो पेरिस समझौते के बाद से हुई प्रगति को दर्शाती है।
  - **सौर और पवन प्रौद्योगिकियों** का तीव्र विस्तार हो रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर उनकी तैनाती की लागत में कमी आई है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)

- **स्थापना:** वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण सम्मेलन (स्टॉकहोम) के बाद।
- **मुख्यालय:** नैरोबी, केन्या।
- **कार्य:** यह एक **वैश्विक पर्यावरणीय प्राधिकरण** के रूप में कार्य करता है, जो **अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय प्रयासों का समन्वय** करता है तथा **राष्ट्रों को सतत् नीतियाँ अपनाने में सहयोग** प्रदान करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रमुख रिपोर्ट:**
  - उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट
  - अनुकूलन अंतराल रिपोर्ट
  - वैश्विक पर्यावरण आउटलुक (GEO)

खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA) रिपोर्ट 2025

चर्चा में क्यों ?

खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) ने "**विभिन्न भूमि स्वामित्व स्तरों पर भूमि क्षरण का समाधान**" नामक शीर्षक से खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA) रिपोर्ट 2025 जारी की है।

मुख्य बिंदु

- **रिपोर्ट के बारे में:**
  - **वैश्विक कृषि भूमि में कमी:** लगभग 20% **वैश्विक कृषि भूमि** में मृदा अपरदन, **पोषक तत्त्वों की कमी और कार्बन की हानि** के कारण **उत्पादकता में गिरावट** देखी जा रही है।
  - **क्षेत्रीय प्रभाव: एशिया और अफ्रीका** सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहाँ **दक्षिण एशिया** तथा **उप-सहारा अफ्रीका** में **उत्पादकता में गंभीर अंतर (संभावित स्तर से 70% तक कम)** देखा गया है।
  - **भारत की स्थिति:** भारत में वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक **उपज अंतराल (yield gap)** देखा गया है, जिसका मुख्य कारण भूमि का **अत्यधिक उपयोग** और **मृदा की उर्वरता में गिरावट** है।
  - **मुख्य प्रेरक करक:** वनों की कटाई (वन हानि का 90%), एकल फसल उत्पादन, अत्यधिक उर्वरक उपयोग, अनियमित सिंचाई और अनुचित मृदा प्रबंधन।
- **भूमि क्षरण:**
  - **भूमि क्षरण को आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ प्रदान करने की भूमि की क्षमता में दीर्घकालिक गिरावट** के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं और मानवीय गतिविधियों जैसे- **वनों की कटाई**, अतिचारण तथा असंगत सिंचाई के कारण होती है।
- **भूमि क्षरण तटस्थता (LDN):**
  - यह एक **वैश्विक लक्ष्य** है, जिसका उद्देश्य **भूमि संसाधनों की मात्रा और गुणवत्ता** को स्थिर रखना या समय के साथ इसमें सुधार सुनिश्चित करना है।
  - इसे वर्ष 2015 में **सतत् विकास लक्ष्य (SDG) 15.3** के भाग के रूप में, मरुस्थलीकरण से निपटने हेतु संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD) के तहत अपनाया गया।
- **भूमि क्षरण तटस्थता (LDN) पदानुक्रम:**
  - **भूमि क्षरण से बचें > कम करें > पलटें** (Avoid > Reduce > Reverse land degradation) यह पारिस्थितिकी संतुलन को बहाल करने के लिये **FAO का मुख्य सिद्धांत** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

खाद्य और कृषि संगठन (FAO)

- **परिचय:**
  - **इसकी स्थापना वर्ष 1945** में हुई थी। इसका **मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है**।
  - यह **संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी** के रूप में कार्य करता है और इसके 194 सदस्य देश हैं, जिनमें यूरोपीय संघ भी शामिल है।
- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य **भुखमरी को समाप्त करना, पोषण में सुधार करना, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और सतत् कृषि को बढ़ावा देना** है।
- **प्रमुख रिपोर्ट:**
  - खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA)
  - विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (SOFI)
  - विश्व मत्स्य पालन और जलीय कृषि की स्थिति (SOFIA)
  - विश्व के वनों की स्थिति (SOFO)
- **भारत और FAO:**
  - भारत FAO का एक संस्थापक सदस्य है; यह भारत के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना और **सतत् भूमि प्रबंधन** पहलों का समर्थन करता है।

मालाबार अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों?

भारतीय नौसेना का युद्धपोत INS सह्याद्री उत्तरी प्रशांत महासागर के गुआम में आयोजित **बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास** 'मालाबार 2025' में भाग लेने पहुँचा।

मुख्य बिंदु

- **मालाबार अभ्यास:**
  - क्वाड (QUAD) रूपरेखा के तहत आयोजित यह एक **बहुपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास** है, जिसमें **भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया** शामिल हैं।
  - इसका उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र **में संयुक्त समुद्री समन्वय, पारस्परिक संचालन क्षमता (interoperability)** और **संचालन तत्परता (operational readiness)** को सुदृढ़ करना है।
  - **INS सह्याद्री** की भागीदारी **आत्मनिर्भर भारत अभियान** और **नौसैनिक स्वदेशीकरण (naval self-reliance)** के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **आयोजन स्थल- गुआम:**
  - गुआम का आयोजन स्थल के रूप में चयन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती भागीदारी और क्वाड के सामरिक लक्ष्यों के अनुरूप है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित एक **असंबद्ध अमेरिकी क्षेत्र** (Unincorporated U.S. Territory) है, जो **फिलीपींस और हवाई** के बीच स्थित है।
- यहाँ **एंडरसन वायुसेना अड्डा** और **नेवल बेस गुआम** जैसे प्रमुख अमेरिकी सैन्य अड्डे स्थित हैं, जो इसे **हिंद-प्रशांत सुरक्षा अभियानों के लिये एक सामरिक केंद्र** (strategic hub) बनाते हैं।

- INS सह्याद्री:
  - यह **शिवालिक-श्रेणी (प्रोजेक्ट 17)** की एक **निर्देशित प्रक्षेपास्त्र (guided missile) युक्त स्टील्थ फ्रिगेट** है, जिसे **वर्ष 2012** में भारत की पहली **स्टील्थ फ्रिगेट श्रृंखला** के अंतर्गत नौसेना में सम्मिलित किया गया।
  - **मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL), मुंबई** द्वारा निर्मित इसे एंटी-एयर, एंटी-सरफेस और **एंटी-पनडुब्बी** युद्ध **सहित बहु-भूमिका संचालन के लिये डिज़ाइन किया गया है।**

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के प्रवर्तन की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 9 नवंबर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है। यह अधिनियम सभी नागरिकों, विशेषकर **वंचित एवं दुर्बल वर्गों** को **निशुल्क और निष्पक्ष न्याय तक समान पहुँच** सुनिश्चित करने हेतु **वर्ष 1995** में प्रभावी हुआ था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस:**
  - इस दिवस की शुरुआत **विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987** के तहत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) द्वारा की गई थी ।
  - यह दिवस **नागरिकों के कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने**, सभी के लिये न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करने और समाज के कमज़ोर वर्गों के लिये न्याय के सिद्धांत को बनाए रखने के लिये मनाया जाता है।
- **विधिक ढाँचा:**
  - विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत गठित इस तंत्र में शामिल प्रमुख संस्थाएँ हैं-
    - **NALSA (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण):** भारत के **मुख्य न्यायाधीश** की अध्यक्षता में।
    - **SLSA (राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण):** संबंधित **उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों** की अध्यक्षता में।
    - **DLSA (ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण):** संबंधित **ज़िला न्यायाधीशों** की अध्यक्षता में।
  - यह ढाँचा आर्थिक और सामाजिक रूप से कमज़ोर वर्गों को **निशुल्क कानूनी प्रतिनिधित्व**, **परामर्श** तथा **सहायता** प्रदान करता है, जिसका वित्तपोषण **राष्ट्रीय, राज्य एवं ज़िला कानूनी सहायता निधियों** के माध्यम से किया जाता है।
    - इसके अतिरिक्त, लोक अदालतें, **कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली (LADCS)**, **फास्ट ट्रैक और विशेष न्यायालय** तथा ग्राम न्यायालय **एवं नारी अदालत** जैसी पूरक संस्थाएँ एवं योजनाएँ भी इस ढाँचे के अंतर्गत कार्यरत हैं, जो **विवाद समाधान एवं न्याय तक पहुँच को अधिक सुलभ व प्रभावी** बनाती हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया, जो स्वतंत्र भारत के **प्रथम शिक्षा मंत्री** तथा देश की **आधुनिक शिक्षा प्रणाली के प्रमुख वास्तुकार** मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की **137वीं जयंती** के अवसर पर आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय शिक्षा दिवस:**
  - यह दिवस प्रतिवर्ष **11 नवंबर** को **मौलाना अबुल कलाम आज़ाद** (1888-1958) की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है।
  - इस दिवस की घोषणा सर्वप्रथम **वर्ष 2008** में तत्कालीन **मानव संसाधन विकास मंत्रालय** (अब शिक्षा मंत्रालय) द्वारा की गई थी।
- **मौलाना अबुल कलाम आज़ाद:**
  - उनका जन्म **11 नवंबर, 1888** को **मक्का** में हुआ था और बाद में वे **कलकत्ता (कोलकाता)** में बस गए, जहाँ वे एक प्रमुख **विद्वान तथा राष्ट्रवादी** के रूप में उभरे।
  - उन्होंने स्वतंत्र भारत के **प्रथम शिक्षा मंत्री** (1947-1958) के रूप में कार्य किया और **वैज्ञानिक, तकनीकी तथा सांस्कृतिक शिक्षा** को सुदृढ़ करने के लिये महत्त्वपूर्ण सुधार किये।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT)** और **भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc)** के साथ-साथ साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी तथा संगीत नाटक अकादमी जैसी सांस्कृतिक संस्थाओं की स्थापना में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे।
- उनके महान योगदान को देखते हुए उन्हें **वर्ष 1992 में मरणोपरांत** भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

भारत की पहली MWh-स्केल वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB)

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री ने ग्रेटर नोएडा में **भारत की पहली MWh-स्केल वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB) का उद्घाटन किया।**

मुख्य बिंदु

- **बैटरी के बारे में:**
  - 3 **MWh** क्षमता वाली **वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB)** का विकास राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC) के **राष्ट्रीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी अनुसंधान गठबंधन (NETRA)** द्वारा किया गया है।
  - इसका उद्देश्य **बड़े स्तर पर** नवीकरणीय ऊर्जा **एकीकरण** और **ग्रिड स्थिरता** के लिये **दीर्घावधि ऊर्जा भंडारण (LDES) प्रौद्योगिकी** का प्रदर्शन करना है।
- **विशेषताएँ:**
  - यह बैटरी **विभिन्न ऑक्सीकरण अवस्थाओं में वैनेडियम आयनों** का उपयोग कर **विद्युत ऊर्जा का कुशल भंडारण और निर्वहन** करती है।
  - यह प्रणाली लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में **दीर्घ परिचालन आयु** और **उत्कृष्ट मापनीयता प्रदान** करती है।
  - इसमें प्रयुक्त **गैर-ज्वलनशील इलेक्ट्रोलाइट्स** इसे **बड़े स्तर पर ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों** के लिये अत्यंत सुरक्षित बनाते हैं।
  - यह **ग्रिड-स्तरीय नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण**, **माइक्रोग्रिड संचालन** तथा **पीक-लोड प्रबंधन** के लिये उपयुक्त है।
  - **VRFB** को **सौर एवं** पवन ऊर्जा **जैसे अक्षय स्रोतों के ग्रिड एकीकरण** हेतु एक **स्थायी और विश्वसनीय विकल्प** के रूप में देखा जा रहा है।

बुकर पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

लेखक **डेविड स्ज़ेले** को उनके काल्पनिक उपन्यास **फ्लेश (Flesh)** के लिये वर्ष **2025 के** बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **डेविड स्ज़ेले के बारे में:**
  - **डेविड स्ज़ेले** एक **हंगेरियन-ब्रिटिश उपन्यासकार हैं**, जो अपनी **सटीक, संक्षिप्त शैली** और **पुरुषत्व पहचान तथा समकालीन यूरोपीय जीवन** की गहरी खोज के लिये जाने जाते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- अपने उपन्यास फ्लेश के माध्यम से, उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा को और मज़बूत किया है। वे **साधारण पुरुषों के आंतरिक जीवन** को असाधारण रूप से चित्रित करते हैं तथा उनके व्यक्तिगत संघर्षों को **व्यापक सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश** के संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं।

- **बुकर पुरस्कार के बारे में:**
  - बुकर पुरस्कार (पूर्व में मैन बुकर पुरस्कार) विश्व के **सबसे प्रतिष्ठित** साहित्यिक पुरस्कारों में से एक है।
  - इसे वर्ष 1969 में स्थापित किया गया था और यह **बुकर पुरस्कार फाउंडेशन** द्वारा संचालित किया जाता है।
  - यह पुरस्कार **अंग्रेज़ी में लिखा गया और यूके या आयरलैंड में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ मौलिक पूर्ण-कालिक उपन्यास** को सम्मानित करता है। वर्ष 2014 से **किसी भी राष्ट्रीयता के लेखक** इसके लिये प्रतियोगिता में भाग लेने के **पात्र हैं।**
  - इस पुरस्कार का उद्देश्य **अंग्रेज़ी भाषा के साहित्य में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना** और **पाठकों के व्यापक वर्ग को आकर्षित करना** है।
  - भारत के पुरस्कार विजेताओं में **अरुंधति रॉय (1997), किरण देसाई (2006) और अरविंद अडिगा (2008)** शामिल हैं।

बुकर पुरस्कार और अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार के बीच अंतर

- **बुकर पुरस्कार** पहली बार **वर्ष 1969** में प्रदान किया गया और यह मूलत: **अंग्रेज़ी में लिखी गई सर्वश्रेष्ठ एकल कथा कृति** के लिये दिया जाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार की स्थापना **वर्ष 2005** में की गई और यह किसी भी अन्य भाषा से **अंग्रेज़ी में अनुवादित सर्वश्रेष्ठ एकल कथा कृति** के लिये दिया जाता है।
  - यह पुरस्कार **लेखक और अनुवादक दोनों की उपलब्धियों** को मान्यता प्रदान करता है।

अमोनियम नाइट्रेट

चर्चा में क्यों?

दिल्ली के लाल किले के समीप हुए विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट के उपयोग की संभावना के चलते यह रसायन **चर्चा का विषय बन गया।**

मुख्य बिंदु

- **रसायन के बारे में:**
  - **शुद्ध अमोनियम नाइट्रेट (NH_4NO_3)** एक **सफेद, क्रिस्टलीय, जल में घुलनशील, नाइट्रोजन-युक्त यौगिक** है, जिसे **अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल** की अभिक्रिया से तैयार किया जाता है तथा यह लगभग 170°C पर पिघलता है।
  - इस पदार्थ को एक **ऑक्सीकरण अभिकर्मक** के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। यह व्यावसायिक विस्फोटकों के निर्माण में उपयोग होने वाला एक प्रमुख घटक है।
  - इसे **'दोहरे उपयोग'** वाले पदार्थ की श्रेणी में रखा गया है, यानी इसका एक ओर **वैध औद्योगिक** उपयोग है, जबकि दूसरी ओर **इसका हथियार के रूप में भी प्रयोग** किया जा सकता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **उपयोग:**
  - **उच्च पोषक तत्त्व सामग्री के कारण** कृषि में इसका उपयोग व्यापक रूप से **नाइट्रोजन उर्वरक के रूप में** किया जाता है।
  - **इसका उपयोग खदानों और उत्खनन परियोजनाओं** में नियंत्रित विस्फोट के लिये किया जाता है तथा यह **खनन-ग्रेड विस्फोटकों** में प्रयुक्त विभिन्न इमल्शन एवं जैल का एक प्रमुख घटक भी है।
- **अमोनियम नाइट्रेट का शस्त्रीकरण:**
  - शुद्ध अमोनियम नाइट्रेट **अपने आप में विस्फोटक नहीं** है और इसे **संयुक्त राष्ट्र के खतरनाक पदार्थों के वर्गीकरण** के तहत **ऑक्सीकारक के रूप में वर्गीकृत** किया गया है।
  - यह **ईंधन तेल, पोटेशियम क्लोरेट, सल्फर या अन्य त्वरकों** के साथ मिलाए जाने पर वाष्पशील रूप में परिवर्तित हो जाता है।
  - इस मिश्रण से ANFO (**अमोनियम नाइट्रेट-फ्यूल ऑयल**) का निर्माण होता है, जो आमतौर पर उपयोग किया जाने वाला एक **विस्फोटक** है।
  - हालाँकि **ANFO में** स्वयं विस्फोट नहीं हो सकता, इसे सक्रिय करने के लिये **डेटोनेटर जैसे ट्रिगर** की आवश्यकता होती है, जो आमतौर पर RDX या TNT जैसे प्राथमिक **विस्फोटकों** द्वारा संचालित होता है।

गरुड़ अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों?

भारतीय वायु सेना (IAF) **फ्राँसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना (FASF)** के साथ आयोजित द्विपक्षीय वाय अभ्यास **गरुड़-25** के 8वें संस्करण में भाग ले रही है।

मुख्य बिंदु

- **गरुड़ अभ्यास: परिचय**
  - **"गरुड़" भारतीय और** फ्राँसीसी वायु सेनाओं के बीच एक द्विपक्षीय वायु अभ्यास है, जो **वर्ष 2003** से **समय-समय पर आयोजित** किया जाता है।
  - यह भारत द्वारा किसी विदेशी वायु सेना के साथ किये जाने वाले **उच्चतम स्तर के वायु अभ्यासों** में से एक है और बारी-बारी से भारत तथा फ्राँस में आयोजित होता है।
    - इसके प्रमुख उद्देश्यों में पारस्परिक परिचालन क्षमताओं **को बढ़ाना, रणनीति साझा करना, परिचालन संबंधी जानकारी का निर्माण करना और रणनीतिक संबंध बनाना** शामिल है।
- **2025 संस्करण: परिचय**
  - **गरुड़ अभ्यास का 8वाँ संस्करण (गरुड़-25) फ्राँस के मोंट-डी-मार्सन मिलिट्री बेस** में **16 से 27 नवंबर, 2025** तक आयोजित किया जा रहा है।
  - भारतीय वायु सेना (IAF) का दस्ता, जिसमें Su-30MKI लड़ाकू विमान, **IL-78 रीफ्यूलर** तथा **C-17 ग्लोबमास्टर III** एयर-लिफ्ट विमान शामिल हैं, फ्राँस के मल्टी-रोल लड़ाकू विमानों (**French Multirole Fighters**) के साथ मिलकर जटिल सिम्युलेटेड मिशनों में भाग लेगा। इन मिशनों में **एयर-टू-एयर कॉम्बैट, वायु रक्षा** और **संयुक्त स्ट्राइक ऑपरेशन्स** शामिल होंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

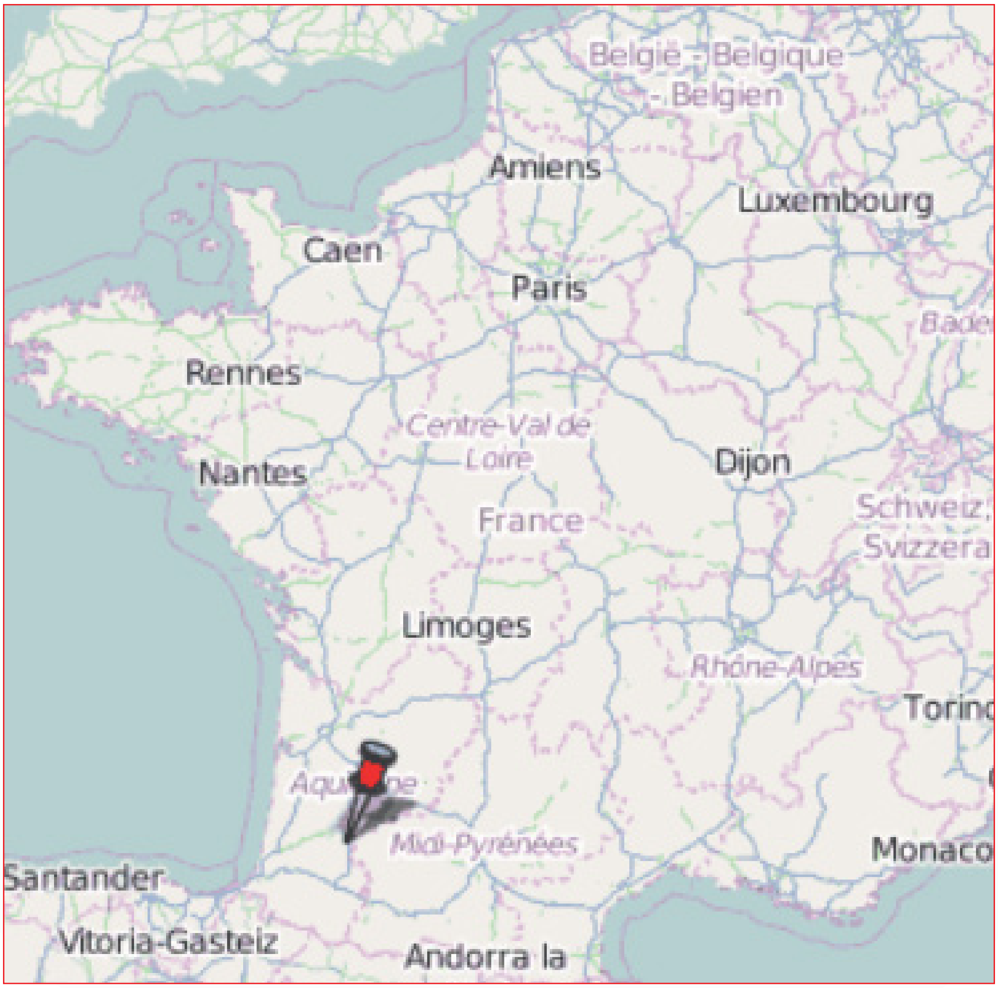

अजय वारियर-25 अभ्यास

चर्चा में क्यों?

भारत और यूनाइटेड किंगडम ने भारतीय सेना तथा ब्रिटिश सेना के मध्य द्विपक्षीय सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास **अजय वारियर-25** के 8वें संस्करण की शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु

- **अभ्यास के बारे में:**
  - अजय वारियर भारतीय सेना और ब्रिटिश सेना के बीच एक **द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास** है, जो वर्ष 2011 से **द्विवार्षिक रूप से आयोजित** किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इसका उद्देश्य अंतर-संचालनीयता बढ़ाना, सामरिक समन्वय में सुधार लाना तथा आतंकवाद-रोधी और शांति अभियानों **में श्रेष्ठ प्रथाओं** का आदान-प्रदान करना है।
- यह अभ्यास **संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश** के तहत आयोजित किया जाता है, विशेषकर **संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII** के अनुरूप, जो शांति के लिये खतरे, शांति भंग और आतंकवाद रोधी परिदृश्यों से संबंधित शांति स्थापना कर्त्तव्यों से संबंधित है।

संस्करण 2025

- 8वाँ संस्करण 17 से 30 नवंबर, 2025 तक **फॉरेन ट्रेनिंग नोड**, महाजन फील्ड फायरिंग रेंज, राजस्थान में आयोजित किया जा रहा है।
- इसमें दोनों सेनाओं से समान प्रतिनिधित्व के साथ कुल 240 कर्मी भाग ले रहे हैं। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व **सिख रेजिमेंट** कर रही है।
- प्रशिक्षण में सिमुलेशन-आधारित परिदृश्य, ब्रिगेड-स्तरीय मिशन योजना तथा **वास्तविक जीवन की आतंकवाद विरोधी परिस्थितियों से** संबंधित क्षेत्रीय अभ्यास शामिल हैं।

विश्व मत्स्य दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

भारत ने **21 नवंबर, 2025 को** विश्व मत्स्य दिवस मनाया, जिसमें **सततता, नीली अर्थव्यवस्था के संवर्द्धन तथा मत्स्यपालकों की आजीविका में संरचनात्मक सुधार** को केंद्रित करते हुए **गतिविधियों का संचालन किया गया।**

मुख्य बिंदु

विश्व मत्स्य दिवस के बारे में:

- प्रतिवर्ष 21 नवंबर को मनाए जाने वाले इस दिवस की उत्पत्ति वर्ष **1997 में विश्व मत्स्य मंच के गठन** से संबद्ध है, जब **18 देशों के प्रतिनिधि नई दिल्ली में** सतत् मत्स्यन तथा मत्स्यपालक समुदायों के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से **सम्मिलित हुए थे**, फलस्वरूप **भारत इस वैश्विक आयोजन का उद्गम-स्थल बन गया।**

विषय:

- वर्ष 2025 का विषय है **'भारत की जलजनित अर्थव्यवस्था में बदलाव: समुद्री खाद्य वस्तुओं के निर्यात में मूल्यवर्धन'**।

रैंकिंग:

- भारत विश्व का **दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य-उत्पादक देश** है तथा विश्व के शीर्ष **झींगा उत्पादकों** में शामिल है।
- कुल मत्स्य उत्पादन वर्ष 2013–14 के **96 लाख टन** से बढ़कर वर्ष 2024–25 में **195 लाख टन** हो गया।
- समुद्री उत्पादों का निर्यात **11.08%** बढ़ा, जो अक्तूबर 2024 में **0.81 अरब अमेरिकी डॉलर** से बढ़कर अक्तूबर 2025 में **0.90 अरब अमेरिकी डॉलर** पहुँच गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रमुख पहल:**
  - सरकार ने सुरक्षित, पारदर्शी और वैश्विक मानकों के अनुरूप समुद्री खाद्य आपूर्ति शृंखला सुनिश्चित करने हेतु **राष्ट्रीय मत्स्य एवं जलीय कृषि अनुरेखण ढाँचा** (National Framework on Traceability in Fisheries & Aquaculture) प्रारंभ किया है।
  - EEZ नियमों के तहत **मत्स्य-संसाधनों के सतत् उपयोग** से पर्यावरणीय रूप से उत्तरदायी गहरे समुद्र में **मत्स्यन को प्रोत्साहन मिलता** है, जिसमें **मत्स्य सहकारी समितियों** और **FFPOs को प्राथमिकता दी जाती है,** जिससे लघु स्तर के मत्स्यपालकों के लिये आय के अवसर सृजित होते हैं।
  - **ReALCRaft एक डिजिटल मंच** है, जो **ऑनलाइन पंजीकरण, लाइसेंसिंग, ई-पेमेंट तथा पोत डेटा अपडेट की सुविधा** देता है और एकीकृत निरीक्षणों के माध्यम से **पेपरलेस मत्स्य प्रशासन** सुनिश्चित करता है।
  - नभमित्र (NABHMITRA) 20 मीटर से कम आकार वाले छोटे पोतों हेतु **दो-तरफा उपग्रह संचार प्रणाली** है, जो वास्तविक समय में **ट्रैकिंग, SOS अलर्ट और मौसम अपडेट प्रदान** करती है, जिससे मत्स्यपालकों की सुरक्षा तथा तटीय प्राधिकरणों के साथ **समन्वय में सुधार होता है।**

गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस

चर्चा में क्यों?

भारत के राष्ट्रपति ने **24 नवंबर, 2025 को** गुरु तेग बहादुर **के 350वें शहीदी** दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

- **उन्हें 24 नवंबर, 1675 को कश्मीरी पंडितों को** जबरन धर्म परिवर्तन **से** बचाने के लिये औरंगज़ेब द्वारा फाँसी दे दी गई थी। **दिल्ली के चाँदनी चौक में स्थित शीशगंज साहिब गुरुद्वारा** उनके फाँसी स्थल के रूप में प्रसिद्ध है।

मुख्य बिंदु

गुरु तेग बहादुर के बारे में:

- **प्रारंभिक जीवन:**
  - वर्ष 1621 में अमृतसर में जन्मे गुरु तेग बहादुर को उनके तपस्वी स्वभाव के कारण शुरू में **त्यागमल** के नाम से जाना जाता था। **धार्मिक दर्शन एवं युद्ध कौशल में प्रशिक्षित होने के साथ युद्ध में वीरता के लिये उन्हें "तेग बहादुर" की उपाधि** प्रदान की गई।
- **गुरु के रूप में योगदान:**
  - **वर्ष 1664 में गुरु हरकिशन** के बाद **9 वें सिख गुरु** बने। **इन्होंने वर्ष 1665 में** आनंदपुर साहिब की स्थापना की तथा समानता, न्याय और भक्ति पर ध्यान केंद्रित करते हुए **गुरु ग्रंथ साहिब** में 700 से अधिक भजनों का योगदान दिया।
- **विरासत:**
  - **इन्होंने औरंगज़ेब के** शासनकाल के दौरान जबरन **धर्मांतरण का विरोध किया** तथा अपने अनुयायियों के बीच **निर्भयता (निरभौ) और सद्भाव (निरवैर)** को प्रोत्साहित किया।
  - **धर्म और अंत:करण की स्वतंत्रता** की रक्षा के लिये उन्हें **"हिंद-दी-चादर"** (भारत की ढाल) के रूप में सम्मानित किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

सिख धर्म के दस गुरुः	
गुरु नानक देव (1469-1539)	◆ ये सिखों के पहले गुरु और सिख धर्म के संस्थापक थे। ◆ इन्होंने 'गुरु का लंगर' की शुरुआत की। ◆ ये बाबर के समकालीन थे। ◆ **गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर** करतारपुर कॉरिडोर को शुरू किया गया था।
गुरु अंगद (1504-1552)	◆ इन्होंने गुरुमुखी नामक नई लिपि का आविष्कार किया और 'गुरु का लंगर' प्रथा को लोकप्रिय बनाया।
गुरु अमर दास (1479-1574)	◆ इन्होंने आनंद कारज विवाह (Anand Karaj Marriage) समारोह की शुरुआत की। ◆ इन्होंने सिखों के बीच सती और पर्दा प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त किया। ◆ ये अकबर के समकालीन थे।
गुरु राम दास (1534-1581)	◆ इन्होंने वर्ष 1577 में अकबर द्वारा दी गई ज़मीन पर अमृतसर की स्थापना की। ◆ इन्होंने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर (Golden Temple) का निर्माण शुरू किया।
गुरु अर्जुन देव (1563-1606)	◆ इन्होंने वर्ष 1604 में **आदि ग्रंथ** की रचना की। ◆ इन्होंने स्वर्ण मंदिर का निर्माण कार्य पूरा किया। ◆ ये **शाहिदीन-दे-सरताज (Shaheeden-de-Sartaj)** के रूप में प्रचलित थे। ◆ इन्हें जहाँगीर ने राजकुमार खुसरो की मदद करने के आरोप में मार दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गुरु हरगोबिंद (1594-1644)	इन्होंने सिख समुदाय को एक सैन्य समुदाय में बदल दिया। इन्हें **"सैनिक संत"** (Soldier Saint) के रूप में जाना जाता है। इन्होंने अकाल तख्त की स्थापना की और अमृतसर शहर को मज़बूत किया। इन्होंने जहाँगीर और शाहजहाँ के खिलाफ युद्ध छेड़ा।
गुरु हर राय (1630-1661)	ये शांतिप्रिय व्यक्ति थे और इन्होंने अपना अधिकांश जीवन औरंगज़ेब के साथ शांति बनाए रखने तथा मिशनरी काम करने में समर्पित कर दिया।
गुरु हरकिशन (1656-1664)	ये अन्य सभी गुरुओं में सबसे कम आयु के गुरु थे और इन्हें 5 वर्ष की आयु में गुरु की उपाधि दी गई थी। इनके खिलाफ औरंगज़ेब द्वारा इस्लाम विरोधी कार्य के लिये सम्मन जारी किया गया था।
गुरु तेग बहादुर (1621-1675)	इन्होंने आनंदपुर साहिब की स्थापना की।
गुरु गोबिंद सिंह (1666-1708)	इन्होंने वर्ष 1699 में **'खालसा'** नामक योद्धा समुदाय की स्थापना की। इन्होंने एक नया संस्कार **"पाहुल"** (Pahul) शुरू किया। ये मानव रूप में अंतिम सिख गुरु थे और इन्होंने **'गुरु ग्रंथ साहिब'** को सिखों के गुरु के रूप में नामित किया।

हायली गुब्बी ज्वालामुखी

चर्चा में क्यों ?

इथियोपिया में स्थित हायली गुब्बी ज्वालामुखी में भयंकर विस्फोट हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप **हज़ारों मीटर** ऊँचाई तक **राख के विशाल** गुबार उठे। इन राख कणों का एक भाग **भारतीय वायुक्षेत्र** में प्रवेश कर गया है, जिसके कारण **विमानन-संबंधी चेतावनी** जारी की गई है।

मुख्य बिंदु

हायली गुब्बी ज्वालामुखी के बारे में:

- यह ज्वालामुखी **उत्तरी-पूर्वी इथियोपिया** के **अफार क्षेत्र** में स्थित है और दानाकिल डिप्रेशन का हिस्सा है, जो पृथ्वी के **सबसे गर्म** तथा **सबसे निम्न** स्थलों में से एक है।
- यह विस्फोट **महत्त्वपूर्ण** है, क्योंकि अफार क्षेत्र से प्राप्त भू-वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ऐसा माना जाता है कि यह ज्वालामुखी लगभग **12,000 वर्षों** के बाद सक्रिय हुआ है।
- यह विस्फोट **पूर्वी अफ्रीकी दरार प्रणाली (EARS)** की **भू-वैज्ञानिक अस्थिरता** को रेखांकित करता है, जहाँ सक्रिय ज्वालामुखी, दरार-विस्फोट तथा विस्तृत रेखाएँ सामान्य हैं।
- यह विश्व की अत्यंत **विवर्तनिक रूप से सक्रिय** दरार प्रणालियों में से एक है, जहाँ **अरब, न्युबियन** और **सोमाली** विवर्तनिक प्लेटें **अपसरण** कर रही हैं।
- इस क्षेत्र की विशेषता **बेसाल्टिक लावा,** फिशर प्रणालियाँ और महाद्वीपीय विखंडन प्रक्रिया से संबद्ध लगातार **भूकंपीय गतिविधियाँ हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

ज्वालामुखीय राख और विमानन जोखिम

- ज्वालामुखीय राख **अत्यंत सूक्ष्म, घर्षणकारी चट्टानी तथा काँचीय कणों** से बनी होती है, जो जेट इंजनों के भीतर प्रवेश कर पिघल सकती है और **गंभीर क्षति** पहुँचा सकती है।
- जब राख पिघलकर टरबाइन ब्लेड पर **पुनः जम जाती है तो** जेट इंजन **बंद हो सकते हैं।**

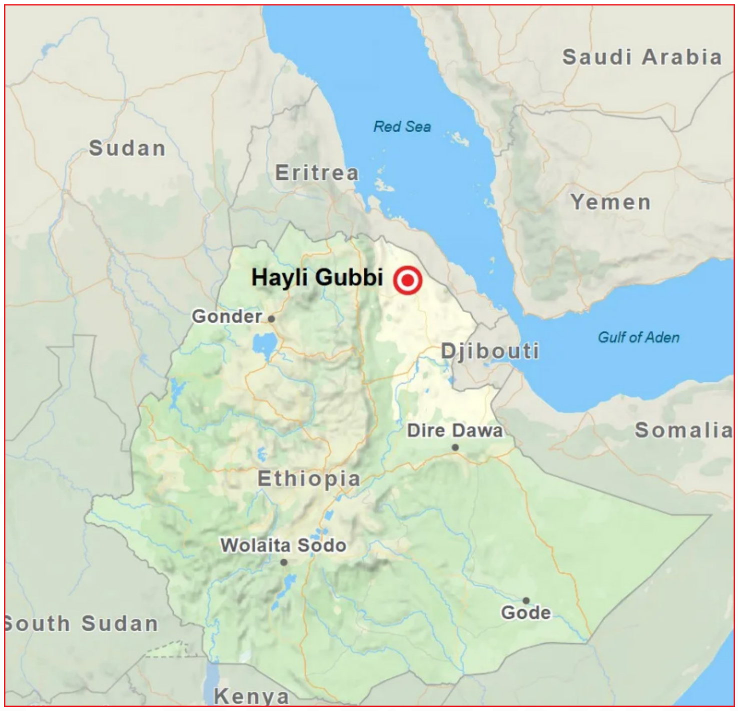

नई चेतना 4.0 अभियान

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय **ग्रामीण विकास मंत्री** ने **केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री** के साथ मिलकर दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के तहत एक राष्ट्रीय पहल 'नई चेतना 4.0' का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **पहल के बारे में:**
  - **नई चेतना - परिवर्तन की पहल** का चौथा संस्करण विशेष रूप से ग्रामीण भारत में महिलाओं की **सुरक्षा**, गतिशीलता, सम्मान और **सामाजिक-आर्थिक भागीदारी** को सुदृढ़ करने पर केंद्रित है
  - यह अभियान DAY-NRLM के तहत स्वयं सहायता समूहों (SHG) के व्यापक नेटवर्क के नेतृत्व में **25 नवंबर से 23 दिसंबर, 2025 तक संपूर्ण देश में संचालित** किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इसमें नशा-उन्मूलन पर विशेष ज़ोर दिया गया है, जिसे घरेलू हिंसा का प्रमुख कारण माना गया है तथा **गाँव-स्तरीय अभियानों** के माध्यम से **हिंसा-मुक्त समुदायों** को बढ़ावा दिया जाएगा।
- यह पहल **शासन में महिलाओं की स्थिति**, **सुरक्षित सार्वजनिक स्थान**, **साझी घरेलू ज़िम्मेदारियाँ** तथा **महिलाओं की आर्थिक भूमिकाओं की मान्यता** को रेखांकित करती है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)

- इस मिशन को वर्ष 2011 में प्रारंभ किया गया था तथा इसकी क्रियान्वयन संरचना और पहुँच को सुदृढ़ करने हेतु वर्ष **2015 में इसका पुनर्गठन किया गया**।
- मिशन का क्रियान्वयन ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
- इस योजना का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों (SHG) के माध्यम से स्वरोज़गार, कौशल विकास और **स्थायी आजीविका को** बढ़ावा देकर ग्रामीण गरीबी को कम **करना है**।
- यह मुख्यतः ग्रामीण महिलाओं को **SHGs** में संगठित करने, उन्हें **क्रेडिट लिंकिंग**, **क्षमता-विकास सहायता** तथा **बाज़ारों तक बेहतर पहुँच** प्रदान करने पर केंद्रित है।
- इसमें **वित्तीय समावेशन**, डिजिटल साक्षरता तथा **आजीविका गतिविधियों के विविधीकरण** जैसे प्रमुख घटक शामिल हैं, जिनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में **पारिवारिक आय** में सुधार और स्थिरता सुनिश्चित करना है।

भारत में राष्ट्रमंडल खेल 2030 का आयोजन

चर्चा में क्यों?

भारत के आधिकारिक रूप से **शताब्दी राष्ट्रमंडल खेल 2030** की मेज़बानी का अधिकार प्राप्त करने पर प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को बधाई दी। यह खेलों के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु

- **मेज़बानी के बारे में:**
  - शताब्दी राष्ट्रमंडल खेल 2030 का आयोजन **भारत** के अहमदाबाद मे किया जाएगा।
  - यह **उपलब्धि** भारत के लिये एक **प्रमुख कूटनीतिक एवं खेल संबंधी सफलता** है, जिसने **वैश्विक** खेल प्रशासन में देश की **दृश्यता** और **विश्वसनीयता** में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित की है।
  - यह मेज़बानी भारत के **दीर्घकालिक खेल दृष्टिकोण** के अनुरूप है, विशेष रूप से **खेल अवसंरचना** को उन्नत करने, **वैश्विक आयोजन मेज़बानी क्षमता** को सुदृढ़ करने तथा खेलो इंडिया और टारगेट ओलंपिक पोडियम (TOP) योजना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से **एथलीटों** को समर्थन बढ़ाने के प्रयासों के अनुरूप है।
  - भारत ने अंतिम बार वर्ष **2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों** की मेज़बानी की थी।
- **राष्ट्रमंडल खेल:**
  - **राष्ट्रमंडल खेल (CWG)** एक **अंतर्राष्ट्रीय बहु-खेल आयोजन** है जो प्रत्येक चार वर्ष में आयोजित होता है, जिसमें सभी **56 राष्ट्रमंडल देशों** के **एथलीट** भाग लेते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह पहली बार वर्ष 1930 में **हैमिल्टन, कनाडा** में **ब्रिटिश एंपायर गेम्स** के रूप में आयोजित किया गया था।
- भारत ने पहली बार वर्ष 1934 के **लंदन राष्ट्रमंडल खेलों** में भाग लिया था।
- इस आयोजन का संचालन राष्ट्रमंडल खेल (जिसे पहले **राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के नाम से जाना जाता था**) द्वारा किया जाता है, जिसका मुख्यालय **लंदन (इंग्लैंड)** में है, जो यह सुनिश्चित करता है कि खेल **मानवता, समानता** और **नियति** के मूल्यों को बनाए रखें।
- **वर्ष 2026 के राष्ट्रमंडल खेल स्कॉटलैंड के ग्लासगो** में आयोजित होंगे।

राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2025

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री **मनोहर लाल** ने भारत में **शहरी परिवर्तन को गति देने** हेतु **यशोभूमि, नई दिल्ली में राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2025 का उद्घाटन किया।**

- यह **दो दिवसीय सम्मेलन "सतत् शहरी विकास और शासन"** के विषय पर आधारित है, जिसका उद्देश्य **शहरी नवाचार, निवेश तथा शासन** पर विचार-विमर्श करना है।

मुख्य बिंदु

शुरू की गई प्रमुख पहलें

- **मिशन-मार्ग डंपसाइट सुधार (DRAP):**
  - DRAP एक **वार्षिक राष्ट्रीय पहल** है, जिसका उद्देश्य **पुरानी अपशिष्ट डंपसाइटों (legacy waste dumpsites) की त्वरित सफाई करना** तथा **सितंबर 2026 तक मूल्यवान शहरी भूमि** का पुन: अर्जन करना है।
  - यह 202 शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) में 214 उच्च प्रभाव वाले लैंडफिल स्थलों पर ध्यान केंद्रित करती है, **जिनमें भारत का 8.8 करोड़ टन (80%) कचरा** समाहित है।
  - इसका **कार्यान्वयन 5P ढाँचे** के तहत किया जाता है- **राजनीतिक नेतृत्व, सार्वजनिक वित्त, जन-सहायता, परियोजना प्रबंधन** और **साझेदारी**।
  - DRAP में **प्रगति निगरानी और पारदर्शिता** के लिये एक समर्पित राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से **रीयल-टाइम मॉनिटरिंग** भी शामिल है।
- **अर्बन इन्वेस्ट विंडो (UiWIN):**
  - आवास एवं शहरी विकास निगम (HUDCO) द्वारा संचालित **UiWIN**, शहरी अवसंरचना के लिये **वन-स्टॉप निवेश सुविधा मंच** है।
  - इसका उद्देश्य **निजी और बहुपक्षीय फंडिंग (जैसे- विश्व बैंक, एडीबी)** को आकर्षित करना है, ताकि अपशिष्ट प्रबंधन, **गतिशीलता, जल, सीवेज तथा जलवायु-प्रतिरोधी अवसंरचना परियोजनाओं** के लिये दीर्घकालिक तथा अनुदानात्मक वित्तपोषण उपलब्ध हो सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **स्वच्छ भारत मिशन – नॉलेज मैनेजमेंट यूनिट (KMU):**
  - यह **SBM-अर्बन** के तहत संस्थागत शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिये **NIUA** द्वारा संचालित एक समर्पित ज्ञान और क्षमता निर्माण मंच है।
- **अमृत गान "जल ही जननी":**
  - यह अटल मिशन फॉर रेजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (AMRUT) के तहत **जल संरक्षण जागरूकता** को बढ़ावा देता है।

भारत उष्ण कटिबंधीय वन निधि में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल

चर्चा में क्यों?

भारत **ब्राज़ील** के नेतृत्व वाली ट्रॉपिकल फॉरेस्ट फॉरएवर फैसिलिटी (TFFF) में **पर्यवेक्षक** के रूप में शामिल हो गया है, जो पेरिस समझौते के तहत बहुपक्षीय जलवायु कार्रवाई में उसकी **प्रतिबद्धता** की पुष्टि करता है, जिसकी इस वर्ष **10वीं वर्षगाँठ** है।

मुख्य बिंदु

- **ट्रॉपिकल फॉरेस्ट फॉरएवर फैसिलिटी (TFFF) के बारे में:**
  - इसे **ब्राज़ील** द्वारा **नवंबर 2025** में **बेलेम, ब्राज़ील** में आयोजित **COP30** में लॉन्च किया गया, जिसका उद्देश्य **वित्तीय प्रोत्साहन** के माध्यम से उष्ण कटिबंधीय वनों के **संरक्षण और पुनर्स्थापन** के लिये देशों को पुरस्कृत करना है।
  - इसका कार्य **सार्वजनिक और निजी निवेश** के माध्यम से **125 बिलियन अमेरिकी डॉलर** जुटाना **तथा वन संरक्षण** एवं **विस्तार में मापनीय सफलता** के आधार पर राष्ट्रों को लाभ वितरित करना है।
    - इस पहल का लक्ष्य वन संरक्षण **और जलवायु अनुकूलन** के लिये **परिणाम-आधारित वैश्विक वित्त मॉडल** का निर्माण करना तथा वैश्विक जलवायु एजेंडे में **उष्ण कटिबंधीय देशों की भूमिका** को सशक्त बनाना है।
- **COP30 जलवायु परिवर्तन सम्मेलन:**
  - UNFCCC सम्मेलन के 30वें सत्र, COP30 का आयोजन **10 से 21 नवंबर, 2025 तक ब्राज़ील के बेलेम** में किया जा रहा है।
  - यह पेरिस समझौते (2015-2025) की **10वीं वर्षगाँठ का प्रतीक है** और इसके तहत की गई प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन पर केंद्रित है।
  - एजेंडा में पेरिस लक्ष्यों पर **प्रगति की समीक्षा करना**, अद्यतन और महत्त्वाकांक्षी NDCs (राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान) के लिये प्रयास करना तथा जलवायु अनुकूलन एवं शमन के लिये अधिक वित्तपोषण व प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुनिश्चित करना शामिल है।
- **कार्रवाई के छह स्तंभ:**
  - **उत्सर्जन शमन (Mitigation):** ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना।
  - **अनुकूलन (Adaptation):** जलवायु प्रभावों के प्रति लचीलापन विकसित करना।
  - **वित्त (Finance):** सार्वजनिक और निजी जलवायु निधियों को जुटाना।
  - **प्रौद्योगिकी (Technology):** नवाचार और स्वच्छ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।
  - **क्षमता निर्माण (Capacity-Building):** स्थानीय कार्यकर्त्ताओं और प्रणालियों को सशक्त करना।
  - **कार्यान्वयन साधन (Means of Implementation):** सभी प्रयासों को व्यावहारिक और मूल परिवर्तन में एकीकृत करना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भारत की जलवायु प्रगति

- भारत ने वर्ष **2005 से 2020** के बीच **उत्सर्जन तीव्रता में 36%** की कमी प्राप्त की है, जो उसके प्रारंभिक **NDC लक्ष्यों** से अधिक है।
- इसके अलावा, भारत ने **200 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता** स्थापित की है, जो वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है तथा **गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोत** कुल विद्युत क्षमता का **50% से अधिक** है।
- भारत का **वन और वृक्षावरण अब 25.17% क्षेत्र** में विस्तृत है, जिससे वर्ष **2005 से 2021** के बीच अतिरिक्त **2.29 बिलियन टन CO_2 समतुल्य अतिरिक्त कार्बन सिंक** का निर्माण हुआ है ।
- वैश्विक स्तर पर, भारत प्रमुख हरित पहलों जैसे कि फ्राँस के साथ अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) (2015) और राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन तथा **जैव ईंधन कार्यक्रम** जैसे घरेलू प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को बढ़ावा मिल रहा है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME